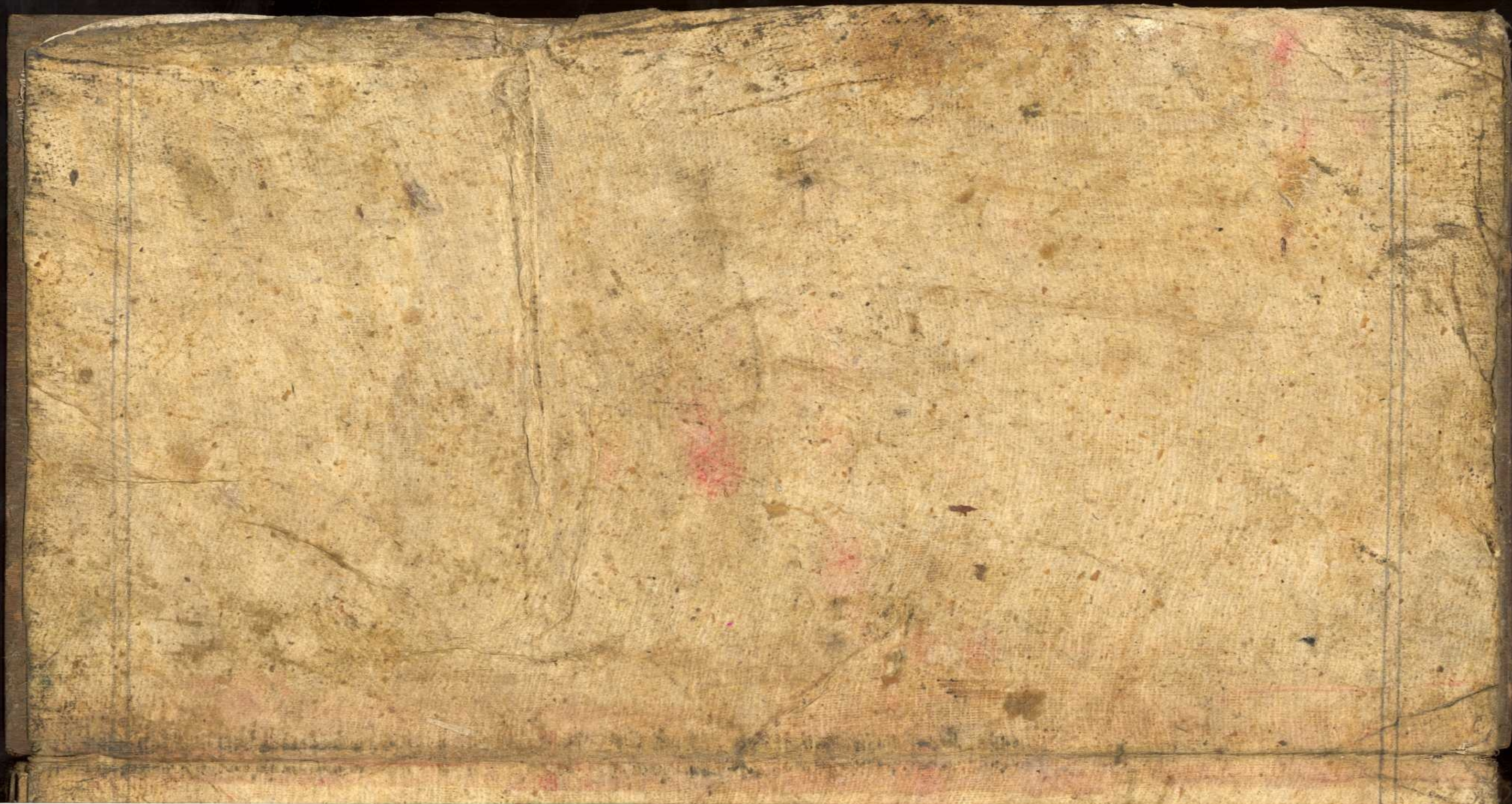


2760



राग आशावरी ॥ ॥ आशा प्रभु नारायण तेरा ॥ ॐ ॥ मनसा वाचा करम पुका
री धयरहु शरण मुरारी ॥ करुणा पतन निहारी रुमारी जय माधव गीरधारी ॥ १ ॥
अगम अगोचर जलनिधि वीरे कृष्ण मोहि मोहि शरीरे ॥ उतारिय गमन हिहारी रु
मारे पार देहोरु वीरे ॥ २ ॥ अधिनी जनम कि अधम करम की अवत्र इति दिन
दुःखी ॥ निरणारु रकी परम दया विनु यहि भवमा कोन सुखी ॥ ३ ॥ जननी उतारि
य पुनः पुनः रुमारे कृष्ण मोहि जन देह वासा ॥ चरण शरण गयो दास अपने इन्द्र की
पूरण आशा ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ आरती ॥
आरती जगनाथ मङ्गल करी ॥ पहुचतुम चरणारी विन्दु आपदा हरि ॥ ॐ ॥ कोटि
देवद्वारे थारे प्रसावे दर्द चारे ॥ कनक रत्न दीपमाला जन्म गा करी ॥ १ ॥ इन्द्र

दमदुसि-धुगाजे-रोहिण्याकरी ॥ मार्कण्डेयसेतजंगा-आनन्दकरी ॥ २ ॥
घननर्घटवाजे-वाजेवासुरी ॥ वाजेतोमृदङ्गताल-नाचकीघरी ॥ ३ ॥
कञ्चनमञ्चनदीपकमाला-जन्मगाकरी ॥ भावयतुअष्टगुलसी-वातिकाजली
॥ ४ ॥ सुरनरमुनिजनद्वारेथार-ब्रह्मवेदई-वारी ॥ धन्यशरद्वकुल-आशुकिघ
री ॥ ५ ॥

॥ राग ॥ प्र ॥

२
आथिरथ्वशरीर-शायनिदानस-चायपरउपकार ॥ ६ ॥ अतिहरषन-दशव
रसन-थवफित्तस्त्रवोऽजव ॥ वानेईशानसं-चोनेहेतावरस-अनेगस्थानथ्वया
व ॥ ७ ॥ अतितववीर-जुसेचोऽवलहीन-अतिनशरीरगजव ॥ वातरसगर्भ
न-पीतयावेगन-प्राणमलेनिधे-चोन ॥ ८ ॥ खडगवअनाअति-करुणाईप

नि. जुयावमुमनहीलाव ॥ द्योयावरुशरीर. दकोहित. वाजवधमयकानन
॥ ३ ॥ दकोशरीरया. तोयावतिलाहिला. रवायावसिमायान्चोस ॥ वजववया
थास. खलसकीयाव. भोगविलथवमन ॥ ४ ॥ जरमजरम. याव. स्वधर
म. जुयावसुगतनाम ॥ क्ककह्रयाथुली. फूतकीपापगुली. विहुनेशरगादिपा
ली ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राग ॥ ख ॥

लोकात्नाथ. विवजीतज्ञानवरदान ॥ ६ ॥ अतिनसुन्दरखाल. अहणसमान
॥ अमृताम्बथा २ गतसिलसतयाव ॥ लोक ॥ ७ ॥ होसेचोनपलेवान. रुतमि
खावान ॥ सुर्ज्यथेथीक २ लुंयाचिधयास्वभान ॥ ८ ॥ नेगरनमणी

कथा-तिसानतीयाव ॥ तातास्याहुस्वान २ मिलसतयाव ॥ ३ ॥ दिपातीनेपाया
कोसं-जिध्याननीयाय ॥ अधिपतिपुर २ जूयारक्षायाव-सदान ॥ ४ ॥
पूरुणदादिमीयास्वामि-श्रीराज्यप्रकाश ॥ व्याकावलविष २ धर्ममचाभालपाव ॥

॥ ५ ॥

॥

॥ रागव्याहाग ॥ प्र ॥

श्रीदिपिकर-द्वलपोत्पादरशनविष ॥ चरणासं-विवरदान ॥ ६ ॥ दिपावती
नगरनं-विज्याकनेपालसं ॥ भुवनसं-मदुदिविमान ॥ ७ ॥ मिलसकूली
सां-लुंयामतुकनंपसे ॥ स्वातजुलहीतु-लीवाराण ॥ ८ ॥ नेरेजेजेरेकुंराड
ल-जवखवपलेस्वान ॥ गलसको-स्वासेतयानाग ॥ ९ ॥ तिलकसुवर्ण
या-त्यजजुलसुर्ज्यया ॥ त्रिभवन-जाज्यल्येमान ॥ १० ॥ लुंया

सिंहासनस्य दलपोलविज्याक ॥ ह्वनेर्षिहृ · तसेशेभात्माक ॥ ५ ॥
सयामसु · सियामसु · दलपोत्पाभगतिन ॥ परशुन · विववारदान
॥ ५ ॥ द्वाकस्याअज्ञानीजुल · दोऽथासक्षमायाव ॥ चरणसि · विव
जितावास ॥ ७ ॥ द्वाकस्यानरपति · दिपालीयाकोसंगती ॥ विवजिगा
नयकुंराठवास ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राग ॥ दे ॥

कचपालपरवतचोस · वसदपादिलप्रस · अमृतांभ्रजोस्तेजपध्यान ॥ अरु
रायावरणाप्रस · हेरामोतीमालकोरवास · हेअर्गाधारीलोकेश्वर ॥ ५ ॥ लोक
सनफोनवल · धायोशलीविलदिन · जिताछताप्रसन्नगुणमाल ॥ स्वव २ जिपा

पियारघात. चायाजकूहातथेंहात ॥ १ ॥ शलीलसध्वव्याधिन. पिदातपाचो
नखास. मृत्युकालकूलेयाजछोव ॥ अने २ वेद्यकेज. नानाउपकारयाज. म
जेलजितार्डपकार ॥ २ ॥ चानीदिनसेवागुया. देकोदेवयाभजनयाज. जि
खडादयामदु. देवया ॥ आशानभलोमान. वयाहिकेजिशरण ॥ ३ ॥
अगिनीयाअवतार. नृपतीश्रीजयवीर. श्रीराज्यपरकाशमल्ल ॥ ल्हाकूल
यादेहुजुल. नेखायागुप्राणतुलने ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ भगवानआरती ॥

आदिपुरुषभगवानतुमारे ॥ आरतीजोतिकलेशविराजे ॥ ५ ॥ प्रथमपुरुषवे. तो
वननाथ ॥ सिंधवाहन. प्रभुश्वेतवरुडे ॥ १ ॥ द्वितीयपुरुषअ. क्षभ्योनाथा ॥
वारुनकरि. यकुदश्वये ॥ २ ॥ त्रितीयपुरुषरत्न. संभवनाथ ॥ वारुनर. मे

शिवपुराणे ॥ ३ ॥ चारुपुरुषअमृतो भवनाथ ॥ मयूरवाहन प्रभुरक्षर
के ॥ ४ ॥ पञ्चमपुरुषअमो घसिद्धिनाथ ॥ गरुडवाहन प्रभुः प्रामर
जे ॥ ५ ॥

॥ भागवानकी आरती ॥

श्रीजयआरती बुद्धसरूपे ॥ श्रीगणप्रभुजूके भक्तजनको तुम कर न उधारे ॥ १ ॥
कमलजनयनकमल लासन सुन्दर ॥ बैठे आसन जोग्यसरूपे ॥ २ ॥ दंभमोहन
ला करत संहारे ॥ ज्ञानगुणलाय शिखल चढावे ॥ ३ ॥ पुष्पधूपलाय अने
गणप्रकारे ॥ देवमुनीजन भजन करीये ॥ ४ ॥ दीपमोहनलाय ज्योति चढावे
॥ श्रीगणजीतनृप आरती गावे ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

राग ॥ दे ॥ ॥ जयजय मदिन्दरनाथ ॥ अरुणाया डन . स्फुल्लुं वार्डन ॥ ६ ॥ करु
णामय . मदिन्दरनाथ ॥ विलचीनारायण स्वयं भुसरूप ॥ १ ॥ करुणामय . मदि
न्दरनाथ ॥ हरिसिद्धिदेवि २ भद्रवसाथ ॥ २ ॥ श्रीजोगनोदप्रभु . मरु राज ॥ भक्ता
पुरतलोमापरा अनभरी पूर्ण ॥ ३ ॥

॥ रागचातकि ॥
हरीजू . स्वकुने करुणादयाव ॥ ६ ॥ कायमफुरोमेनाम . अधरअलासिधम .
यायमफु . ईश्वरी भजन ॥ १ ॥ मायामोहलोभस . केनयो जिह्वालस . ॥ पालपेनी
मदुधिविनान ॥ २ ॥ लातोलेओ . मभावपा . धाजनमलाकनपा ॥ वरथजि . जन
मशुयाव ॥ ३ ॥ हरी २ सुमराग . हरियरी विवमन ॥ पुनजन्ममुमालनिदान ॥ ४ ॥

॥ रागदेहा ॥

रु रिया नाम जगत सं प्रभु यानाम जगत सं कावसाधिराम ॥ १ ॥ मननमर्या नारु
रिया भजन पापवावस्थे शुको वाङ्मनोना ॥ धर्तिन्या गु अवसलायि वमरु
लियते मन पदु तावे शु ॥ १ ॥ धना गथे करम अना अथे भोग जन्म मारा जान
दु बुद्ध्या ॥ राम यानाम कावाधास मदु गु कावलोक सेन ॥ २ ॥ लाव चोरासी
हिला वयधनो मनुष्य या जन्म यो या यो धे मद्गु ॥ धु गु धर्म धमनै सिधा व द्या व
लोक निश्चेन ॥ ३ ॥ कुरुत श्री गो विन्दया द्विगुली चारा उगुली संधास ॥
दको भ्रमना दुते याङ्ग द्यो वजिना पार ॥ ४ ॥

१०
रागगोरी ॥ ३ ॥ कावसन रामयानाम रामे हेल्लादाय ॥ जर्मया मारधि धोय मतेरा
मयानाम सोव छन थवता डपाय ॥ ४ ॥ राम अचेत मते ले मन चेतन नीया वधाम
काल धयीव दुष्टे काय ॥ मलु माने मते मन दुख सुख माया दाय थो लोक वाना ता
थेरुय रुय ॥ ५ ॥ राम धन अजन याय गुलीत कडायाय व्याख संदोड मचाव
॥ चोने धन ईतु रसे यनि वज मन चिसे अजन धन नहुवाव ॥ ६ ॥ राम भिड लहाज
विनतीन हूक ह्या अनाथ आव जर्मया पास वैन काव ॥ श्रीराम चन्द्रया भजन नीया
वधनी थव चर धरम सीलोव ॥ ७ ॥

॥ रागमालव ॥ ख ॥

श्याम विनान हृष्टा विनान हरी २ गथे लाय थुगुली पराण ॥ ८ ॥ सांज वाव रे
ताव चोड थास जो ह्यान यनी ववो जव ॥ आव दरशन लाय २ गथे नया जव ॥ ९ ॥

रघुलचन्द्रमार्थे मिस्रा पले हलार्थे मिस्रान स्वयिवहे लाव ॥ चित्ततयमफुजीन २
 वोसलुमाडाव ॥ २ ॥ मोतिमारीक्या धुजवतयोशुंया पायलपालिस्रह्याडाव
 ॥ वनसजुयीववोस २ लुमानी सुनान ॥ ३ ॥ हाफलाया प्रभुगोपाल सुन्दर सं
 सा रसारवखानी ॥ द्विगुली भावनलाय २ लायिवनिदान ॥ ४ ॥ ॥

॥ राग-धोख ॥

आजुमेतो रामजिवन दुनीआ वहुदिन हो ॥ ५ ॥ खोजत २ पायो हरिनाम ॥ तारीग
 रीफा यकला जाय दुनिया वहुदिन हो ॥ ६ ॥ क्याकरे माता पिता सुत वधु भाइ ॥
 हंसा निरासा आखिर जागा दुनीआ वहुदिन हो ॥ ७ ॥ रुमर अनेरहुं रेमती कोइ ॥
 साधु भलाय हरि अवरन कोही दुनीआ वहुदिन हो ॥ ८ ॥ मिराफे प्रभु गीरिधर तान
 ॥ गुमारी दरशको भयो रे निदान दुनीआ वहुदिन हो ॥ ९ ॥ ॥ ॥

प्रसन्नता ॥ ॥ गुरुगुरुसर्वसत्त्व मुनीगणादेवा ॥ ५ ॥ जाके सुमारे तन सुघर सुचिता मानस
 देवि गुरुसुखधरे ॥ निर्मल गुणमयी मङ्गल गावे भगिरे २ गुरुचरण कि पूजा ॥ १ ॥
 तेजोभवके सुख विरथ हिं चिन्ता दोमन माया न करिय मुटा ॥ धनजन कामिनी कपट की
 छाजा जतन २ मे भुवन दितारे ॥ २ ॥ छुटे तन मन के मनो पानी कवास के नर रिय उन
 घरी थीरे ॥ राखे मातपी ता सुत वधु समुझि मेखा कपिलाया ॥ ३ ॥ यतो विनती गुरु भवन
 दि कर ता छोडी यनहि कपी जन पूता ॥ अकर महु कर मना शिष्य मेरा चरण शरण मे राखि
 यवासा ॥ ४ ॥ ॥

॥ नारायण आर्त्ता ॥

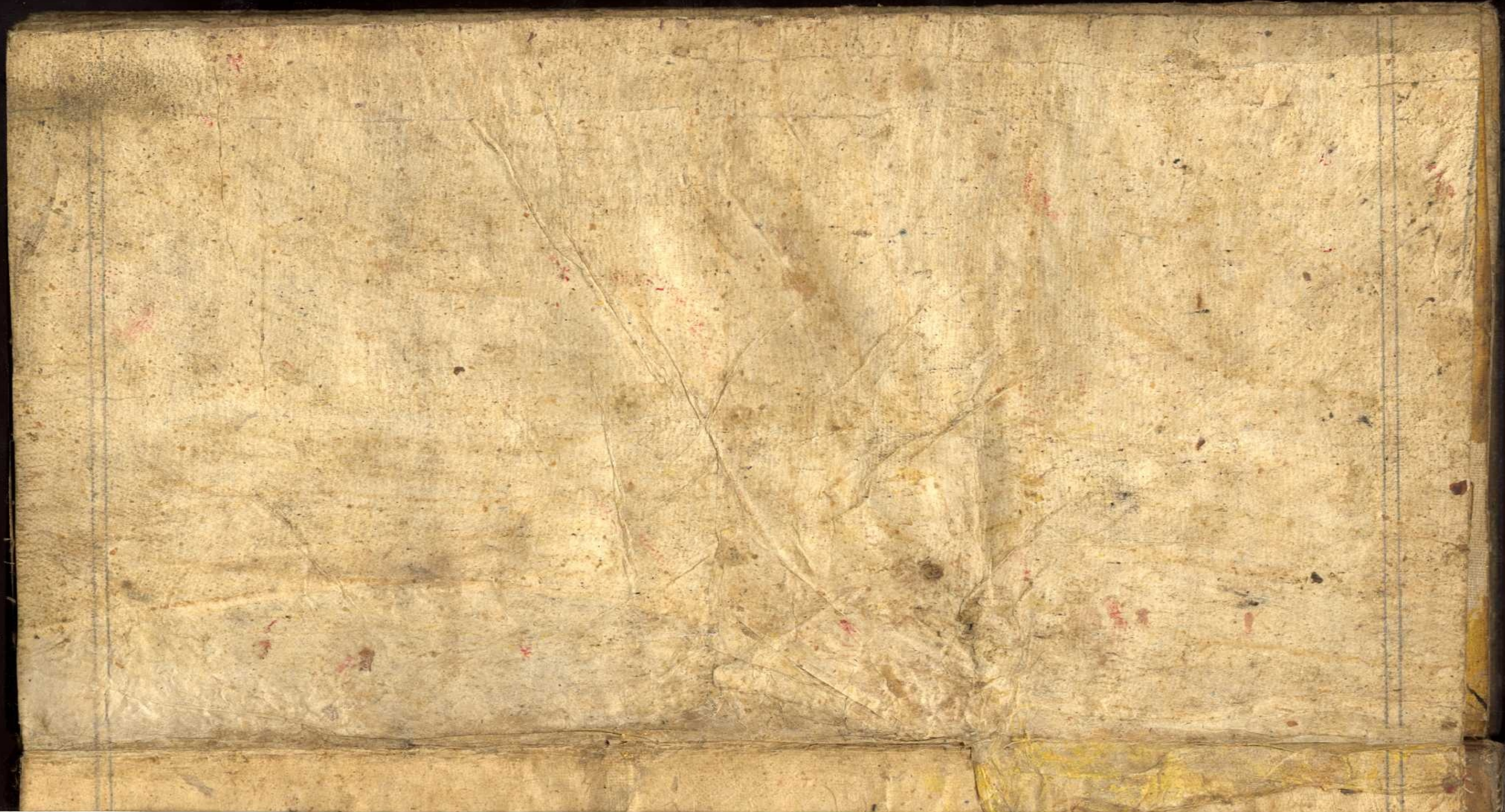
जय वेत्तो आरवि
 श्री नारायण कि ॥ ५ ॥ गोकुल मे गोपाल विराज्य ॥ गोपिनी मङ्गल चले ॥ १ ॥

जय माती भक्तो लाल लखणा हवि ॥ हरि के भजन गण गा ५ ॥ २ ॥ ॥

चन्द्रसखी भजो बालकृष्णद्वि ॥ हरिके भजन गुरा गाइ ॥ २ ॥ ॥

॥ भज गोविन्द आरती ॥

भज गोविन्द रोगापाता ॥ कृष्ण कहै आमारे नन्द लाला ॥ १ ॥ देवजूके सै आ बल
भद्रजूके भै आ ॥ अधर उधारस नन्द लाला ॥ १ ॥ मेरम कुट पिताम्बर झोहे ॥ गल मे
जयन्ती के मोतिमाला ॥ २ ॥ उग्रसेन को राजपति लफ दिय ॥ दिषम धुरा को गोपाला ॥ ३ ॥
मधुरामे कृष्ण राम विराज्ये ॥ गोकुल दुइत नन्द लाला ॥ ४ ॥ आशानन्द गरीव तुमारे ॥
प्रेम भगत को अपमाला ॥ ५ ॥





श्रीगणेशायनमः॥ श्रीहृष्यायनमः॥ श्रीगुरुदेवायनमः॥ ॥

मेघैर्ममदुरमम्बरा मवतभुवं ॥ श्यामास्तमालद्रुमे नक्तंभीरुरयन्वमे
वतदिर्मराधेगृहंप्रापय ॥ इलंनन्दनिदेशतश्चलितयोः प्रतेध्वकुञ्जद्रुमे
॥ राधामाधवयो जयन्ती यमुनाकूले रहश्चकेलय ॥ १ ॥ वाग्देवताचरित
चित्रितचित्तमद्भा पद्मावती चरणचारणचक्रवर्ती ॥ श्रीवासुदेवरतिवेलि
कथासमेतमेतकरोति जयदेवकविऽप्रबंधं ॥ २ ॥ यदिहरिस्मरणे सरस
मनो यदि विलासकलासूक्तं रुलं ॥ मधुरकोमलकान्तपदावली शृणुत
दाजयदेवसरश्वाति ॥ ३ ॥ वाचऽपल्लवय भुमापतिधरऽसद्व्रशुद्धि
गिरा जानीते जयदेवस्वशरणाऽश्नाद्योदुरुहं द्रुमे ॥ शृणोतस्तरस्यप्रमेय

रचरोराचार्यगोवध्ननंस्यध्दीकोपिनविश्रुतःश्रुतिधरोधोयीकविश्रमापाति॥

* ॥ ॥ ॥ गौडा मारव रंगे ॥ ॥ चौरव ताल ॥ ॥ ॥ ६ ॥

प्रलयपयोधिजले धृतवानसि वेदं विहितवहित्रचरित्रमवेदं ॥ केशवं धृतमीनशरीरं जयजगदीशहरे ॥ १ ॥ क्षितिगतिविपलतरे तवतिष्ठति पृष्ठे धरणी धरणा किञ्चक्रगारिष्ठे केशव धृतकच्छपरूपं जयजगदीशहरे ॥ २ ॥ वशतिदशनाशखरे धरणीतवलङ्गा शशिनिकलङ्ककलेवनिमग्ना ॥ केशवं धृतशूकररूपं जयजगदीशहरे ॥ ३ ॥ तवकरकमलवरेनखमद्भुतशृङ्गं दलितहिरण्यकशिपुतनुभृङ्गं ॥ केशवं धृतनरहरिरूपं जयजगदीशहरे ॥ ४ ॥ छलयासिविक्रमणे वलिमद्भुतवामन ॥ पदनखनीरजःनितजनपावन ॥ केशवं धृतवामनरूपं जयजगदीशहरे ॥ ५ ॥ क्षत्रियरूधिर

मये जगदपगतपापं सपयसि पयसि समित भवतापं ॥ केशवधृत भृगुपतिरूपं जय ज
गदीशहरे ॥ ६ ॥ वितरसि दिनूरेण दिग्ग पतिव मणीय दशमुखमोनिव निरमणीयं ॥
केशवधृत रघुपतिरूपं जय जगदीशहरे ॥ ७ ॥ वरुशिवपुत्रिविशदेवशनं जलदा भ
रुलरुतिभितिमि लितयमुनाभ ॥ केशवधृत रुलधररूपं जय जगदीशहरे ॥ ८ ॥ निन्द
सिय जविधे रुरुभूतिजातं सद्यहृदयदर्शित पशुघाटं ॥ केशवधृत वूधदशरीरं जय ज
गदीशहरे ॥ ९ ॥ म्लेच्छनिवरुनिधे कलयसि करवालं धुर्मुक्यतुमिव किमपि क
शलं ॥ केशवधृत कल्किशरीरं जय जगदीशहरे ॥ १० ॥ श्रीजयदेवकवेरिदमू
दितमुदारं शृणुसूखदं शुभदभवसारं ॥ केशवधृत दशविधरूपं जय जगदीशहरे ॥ ११
॥ श्लोक ॥ वेदागुधरते जगानिवरुते भूगोलमूद्धिभुते ॥ देत्यदारयते वलिं छलयते क्षत्र
क्षयं कुर्वते ॥ पोलस्य जयते रुलं कलयते कारुण्यभातत्वते ॥ सिद्धा मुर्धयते दशाकृति

कृते श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गुहरीमिश्रितपञ्चमरागे ॥ खर्ज्जिताले ॥



श्रितकमलाकूचमराडलधृतकुराडल ॥ कलितललितवनमाल ॥ जयजयदेवहरे ॥

॥ १ ॥ दिनमणिमराडलः मराडलभवखाडन ॥ मुनिजनमानमहंल ॥ जयजयदेवहरे ॥

॥ २ ॥ कालियविषधरगञ्जनः जनरञ्जन ॥ यदुकुलनलिनदिनेश ॥ जयजयदेवहरे ॥

मधुमूरनरकविनाशनः गरुडासन ॥ मूरकुलकेलिनिदान ॥ जयजयदेवहरे ॥ ३ ॥ अम

लकमलदललोचनः भवमोचन ॥ त्रिभुवनभुवननिधान ॥ जयजयदेवहरे ॥ ४ ॥ जन

कसुताकृतभूषणः जितदुष्टरा ॥ समसमितिदशकराठ ॥ जयजयदेवहरे ॥ ५ ॥

अभिनवजलधरः सुन्दरधृतमराडर ॥ श्रीमुखचन्द्रचकोर ॥ जयजयदेवहरे ॥ ६ ॥ तवच

रणप्रतितावयः मितिभावय ॥ कुरुकुशलेरातेखुं ॥ जयजयदेवहरे ॥ ७ ॥ श्रीजय

देवकवेरिंद कुरुते मुद ॥ मंगल मुज्ज्वल गीतं ॥ जय जय देव श्रे ॥ ८ ॥ १ ॥ ॥ ॥

॥ १ ॥ वसन्तराग ॥ परताल ॥

ललीतलवंगल तापीर शीलन कोमल मलय समीरे ॥ मधुकरनिकरक रवित कोकि
ल कूजित कुज कुतीरे ॥ १ ॥ ॥ विरु रति शरीरीरुः सख वसन्ते ॥ नृत्याति द्रुवति ज

नेन सम सखीः विरहि जन स्मदुरते ॥ २ ॥ ॥ उन्मद मदन मनोरथ पथिक वधु जन ज
नित विलापे ॥ अलिकुल संकूल कूसुम सुमुखी राकुल वकुल कलापे ॥ ३ ॥

मृग मद सौरभ रभ सव संवद नवदल मालत माले ॥ द्रुव जन हृदय विदा वरा मन
सि जन रव रुचि किं शुक्र जाले ॥ ४ ॥ ॥ मदन मरि पाति कनक दराड रुचि केशर कुसु

म विक्राशे ॥ मिलित शिलि मुख पाटली पटल हृत स्मर भूवन विक्राशे ॥ ५ ॥ ॥

विगलितलज्जितः जगदवलोकनः तरुणाकरुणाकृतस्तु ॥ विराहिनीकृतमुरवाकृत
तिवैताकिदनुराताशे ॥ ५ ॥ माधवविकापी मलललितेनवः मातातियातिसू
गन्धो ॥ मुनिमनसामपि मोहनकारिणि तरुणाकारनवन्धो ॥ ६ ॥ स्फुरद
तिमुक्तलः तापीरभनः मुकुलितपलकितचूते ॥ वृंदावनविपिनेपीसरपी
गतयमुनाजलपूते ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभरणिमिदः मूढयतिः ह्रीचराणस्मृ
तिसारं ॥ सरसवसन्तमः मयवनवर्णनः मनुगतमकनविकारं ॥ ८ ॥

॥ १ ॥ रामकरीराग ॥ चोखेताल ॥ ॥

चन्दनचर्चितः नीलकलेवरः पीतवसनवनमाली ॥ कैलिचलमणिः बुरडलमणिडतग
राडयुगमितसादी ॥ ९ ॥ ह्रीरिहमुग्धवधूनिकरः विनासिनिविनासतिवैलिपरे ॥

॥ ७ ॥ पीनपयोधरः भारभोरुगुरुः पीरिरस्यसराग ॥ गोपवधूरनूः गायति काचिदु
दञ्चितः पञ्चमरागं ॥ २ ॥ कापिविलासविः लोलविलोचनः खलनजनितमनोज्ञः ॥
आयाति मुग्धवधुराधिकं मधु सूदनवदनमराजं ॥ ३ ॥ कापिकपोलतः लोमिलिता
लपिः तुम्किमपिश्रुतिमूले ॥ चारुचुम्बनिः तं ववती दयितं पुलकैः कुकूले ॥
४ ॥ केलिकलाकुतुः केनचकाचिदः मुयमुना जलकूले ॥ मञ्जुलवञ्जुलः कुञ्जतं वि
चः कर्त्तव्यकरनदुकूले ॥ ५ ॥ करतरतालतः खलवलयावलिः कलितकलत्वनवंशे
॥ राससिसरुः नृत्यपराहीरणा वृषति प्रशशंशे ॥ ६ ॥ शिष्यतिका मापिः चुम्बनि
कामापिः कामपिरमयाति रामां ॥ पश्यति सस्मितः चारुपरा मयः राम उगच्छति वामां ॥
॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभः गितमिदमृदुगतिः ते शतते निराहृतं ॥ ८ ॥

नविपिनेलनीतांविननोतुशुभानियशस्य ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ १ ॥ ॥ गुञ्जरीराग ॥ खञ्जतीताल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

संचारदधरसूधामधुरध्वनिः मुखरितमोरुनवंसं ॥ वलितदगंचलचञ्चलेमोदिकः पालविलालव
तंसं ॥ १ ॥ ॥ रासिहरीभिरुः विहितविलासः स्मरतिममनोममः कृतपरिहारः ॥ २ ॥ चन्द्र
कचारुमः दूरसिखराडकः मराडलवलयितकेशं ॥ प्रचूरपुन्दरधनुस्तुराञ्जितमेदुरसदिरसु
वेसं ॥ २ ॥ ॥ गोपकदम्बनिः तववतिसुखः धूमनलाम्बितलोभं ॥ वधुजिवमधूराधारपल्लवक
लितदलस्मिशोभं ॥ ३ ॥ विपलपलकभूजपल्लववक्षभवलयितयूवतिसरुम् ॥ वरचरण
रसिः मारिगगाभूषणः किरणविभिचतमिश्रं ॥ ४ ॥ जलदपटलवलदिन्दुविनिन्दकः चन्दन
तिलकललाटं ॥ पीनपयोधरः पारसरमदननिर्दयहृदयकपाटं ॥ ५ ॥ ॥ मणिमयमकरम

रिहताः दशयागताः शाकपितेव ॥ १ ॥ किङ्करीव्यतिः किम्बदिव्यतिः साचिरं विरेहण ॥
किञ्जनेनधः नेन किं मम जीवितेन सुखेन ॥ २ ॥ विनयामितः दाननं कृतिः लंभुकोपभरेण
शो नपद्यामि वोपरिभ्रमः ताकुलं भरेण ॥ ३ ॥ तामरुहं हृदि संगतामणिः शंभुसंरमयामि ॥
किम्बनेनू सरामितामिरुः किं वृथा विलयामि ॥ ४ ॥ तच्चिखिन्नमः सूर्यया हृदः यंतवाक्कलया
मि ॥ तन्नधेमिदुः तोगतासिनः तेन तेजुनयामि ॥ ५ ॥ दृश्यं मे पूरः तोगतागतः मेव मे विदधा
सि ॥ किंपरेवसः शंभुसंपरीः रम्भनेन दध्वासि ॥ ६ ॥ क्षम्यतामपः रङ्गदापितः वेदशेनकरे
मि ॥ देहि सुन्दरीः दर्शनममः मन्मथेन दनोति ॥ ७ ॥ वीर्णांतं जयः देवकेन रुः रीदं पुनतेन ॥
किङ्कविष्यसः मुदसंभवः राहिणीरमणेन ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ कर्णातकराग ॥ चाखताल ॥

| x | | x |

निन्दति चन्दन मिन्दुकिरणमज विन्दति खेदमधि ॥ व्यालनिहतयमिल नेनंगलदमिव कलयाति
मलयशमिरं ॥ १ ॥ साविरहेतव दिना माधवमनसिजविशिखभयादिव भावनया त्वयि लो
ना ॥ २ ॥ ओवरत्ननिपातित मदनशरादिव भवद्वनाय विशालं ॥ स्वहृदयममराणि वर्म
करोति स जलनलिनीदलजालं ॥ ३ ॥ कुसुमविशिखसार तल्पमनल्पवि लासकलाकमणीय
॥ व्रतमिव तव पारि रम्भसुखाय करोति कुसुमसरणीयं ॥ ४ ॥ वरुति विलोतकि लोचनजल
धर माननकमलमुदारं ॥ विधुमिव विकटावे धुंतुदत्तद रागगीतामृतधारं ॥ ५ ॥ विलिख
ति नरुसिक्क रु मदेन भवत्तमसमशरभूतं ॥ प्रणमति मकरम धोविनिधायक रेचसरं नवचू
तं ॥ ६ ॥ प्रतिपदमिदमापि निगादति माधव तव चरणोपतिता हं ॥ त्वयि विमुखे मयि सपदि सु
धानिधि नापि तनुते तूदाहं ॥ ७ ॥ ध्यानलयनपर पुरपारिकल्या भवन्तमतिवदुर्गप ॥ विरपति

हस्ततिरि. विदतिरोदिनि. च अतिमुच्यतापं ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभरितं मिदमधिकं. यदि
मनसानतनीयं ॥ हरिविरहाकुल. वक्ष्यवयूवति. साविवचनपथनीयं ॥ ८ ॥ ॥

॥ १ ॥ ॥ कोरावराग ॥ स्वर्जतिताल ॥ ॥

स्तनविनिहीतमपि. हारमुदारं ॥ सामनुतेहस. तनुर्तिभारं ॥ ११ ॥ राधिकाविरहेत
वकेशव ॥ १२ ॥ सरसमश्रणमपि. मलयजपङ्क ॥ पश्यतिविषमिव. वपुसिसशङ्क ॥ १३ ॥
॥ स्वशितपवनमनु. पमपीरणारु ॥ मदनदरुनमिव. वरुतिसदाहं ॥ १४ ॥ दिशिदिशिवि
किरति. सजलकजालं ॥ नयननतिनमिव. विगतितनालं ॥ १५ ॥ नयनविषयमपि कि
शल्यतल्यं ॥ कलयतिविहित. हुतासाकल्पं ॥ १६ ॥ त्यजतिनपाणिन. लेनकपोलं
वालसमिनमिव. सायमलोलं ॥ १७ ॥ हरिरीति. हरिरीति. जपतिसकाम ॥ विरहवि

हितमरगोवनिकामं ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभरितमीतिगीतं ॥ सुखयतुं केशवपदमु
पनीतं ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ देशवराडीरागे ॥ रूपकताले ॥ अष्टपदी ॥ ख० ॥

वहतिमलयशमीरे मदनसुपनिधाय ॥ स्फुटतिक्लुप्तमनिकरे विरहिहृदयदलनाया ॥
तवविराहैव नमासी सखिसीदति ॥ १ ॥ दहतिशिशिरमयूरे मरणमनुकरोति ॥ पतति
मदनविशिखे विरपतिविकलतरोरति ॥ २ ॥ ध्वनिमधुपसमूहे अवगमपदधाति ॥
मनशिवलितविरहे निशिनिशिरुजमुपयाति ॥ ३ ॥ वसतिविपेनविताने न्यजतिल
लितधाम ॥ लुठतिधरणीशयेन वरुविलपतितवनाम ॥ ४ ॥ एततिपिक्लसमवाय
प्रतिदिशमनुयाति ॥ हसतिमनुजनिचय निजविरहमपलपतिनेति ॥ ५ ॥ स्फुर

तिकलरवरावे स्मरतिभ्रणितमेव ॥ तवरतिसुखविभ्रंवे वहुगरायति सुगुणमतिव ॥ ६ ॥
त्वदभिधशुभदमांसं ददतिनारीश्वरेणाति ॥ तमपिजपतिसरसे वस्त्रे वरयवतिषु नरतिमु
पैति ॥ ७ ॥ भरणतिक्रविजयदेवइति विरहिविलसीतेन ॥ मनसिरभसविभ्रंवे क्षीरद
यनुसुकृतेन ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ नाट्यरत्न ॥

रतिमुखसारे. गतमभिसारे. मदनमनोरुखेशं ॥ नक्ररुणितम्बिनि. गमनाविलम्बन. म
नुसारतं हृदयेशं ॥ ११ ॥ धिरसमीरे. यमुनानिरे. वसतिवनेवनमाति ॥ गोपिपीनपयोधर
मर्दन. चञ्चलकलियुगसाति ॥ १२ ॥ नामसमेतं. कृतसंकेतं. वादयते मृदुवेणुं ॥ बहुमनु
तेतनु. तेतनुसंगत. पवनचलितमपिरेणुं ॥ १३ ॥ पटतिपतन्त्रे. विचरति पत्रे. शङ्कितभवद

16
खयानं ॥ स्वयतिशयने शचकितनयनं पशुपतिवपस्थानं ॥ ३ ॥ सुखरमाधिरं ज्य
जमजीरं रिपुमिवकेलिसूलोत्तं ॥ चतस्रिबुजं सतिमिरपञ्जं शिलयनीलनलीचो
त्तं ॥ ४ ॥ उरमिपुरो रूपरुतरो यनश्चतारलवलाके ॥ तन्निदिवपीने रतिविपरीते रा
जसिमुक्तविपाके ॥ ५ ॥ विगलितवसनं परिहृत्तारसनं घटयजघनमपिधानं ॥ कि
शलयशयने पङ्कजनयने निधिमिवरुर्वनिधानं ॥ ६ ॥ हरिरभिमानो रजनिरदानी
मियमपियातिविरामं ॥ करुममवचनं सत्वररयणं पूलयमधोत्पकामं ॥ ७ ॥ श्रीजय
देवे कृतहरिसेवे अणतिप रमरमणीयं ॥ प्रसुदितहृदयं हरिमातिसदयं नमस्तु
कृतकमणीयं ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ मातराग ॥ चोरताल ॥ ॥

पश्यतिदिशिदिशि.रुसिभवंतं ॥ त्वदधामधरमधूनिपिवंतं ॥ १ ॥ नाथरुहेसि
 दतिराधावासगृहे ॥ २ ॥ त्वदभिशरणाभ.सेनवल्गन्ति ॥ पटतिपदानिकी.य
 निचरन्ति ॥ ३ ॥ विहितविशदविश.किशलयवलयया ॥ जिवतिपररुमिरु.तवर
 तिकलया ॥ ४ ॥ मुकुरवलोकिता.मराडनलिला ॥ मधरिपररुमिति.भावनशीला
 ॥ ५ ॥ त्वरितमुपैतिन.कथमभिसारं ॥ हरीशानिवदति.सखिमनुवारं ॥ ६ ॥ श्रित्य
 त्तिचुम्बति.जलधरकल्पं ॥ हरीरूपगतई.तिमिरमनल्पं ॥ ७ ॥ भवतिविलंबि
 नि.विगलितलज्जा ॥ विलपतिरोदिति.वासकसज्जा ॥ ८ ॥ श्रीजयदेवक.वे
 रिदमुदितं ॥ रसिकजनंतनु.तामतिमुदितं ॥ ९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ मारवगौडाराग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

कथितसमयापि हरिः ररुनययौवनं ॥ समविफलमेतदनु रूपमपियौवनं ॥ १ ॥ यामि
 हेकमिरुशरणं सखिजनवञ्चरावञ्चिता ॥ २ ॥ यदुगमनायनिशि गरुनमपिशिति
 तं ॥ तेनममहृदयमिदं मस्मसराकलितं ॥ ३ ॥ समशरणमेववर मतिवितथकेतना ॥ वि
 मिरुविवरुमिविर हानदधचेतना ॥ ४ ॥ अरुहकल यामिवल यादिमरागभूषणं ॥
 हरिविरुह दरुनवरु नेनवरुहृदयं ॥ ५ ॥ मामिरुवि धूरयाते मधूरमधुयामिनि ॥ कापि
 हरिः मनुभवति कृतसुकृतकामिनि ॥ ६ ॥ कुसुमसुकु मारुतु मनसुसरलीलया ॥ सग
 हृदिहृनिमा मपिविषमशीलया ॥ ७ ॥ अरुमिरु निवसानिन विगलितवनचेतसा ॥
 स्मरतिमधु मूदनोमामपिनचेतसा ॥ ८ ॥ हरिचरण शरणजय देवकविर भारति ॥
 वसनुहृदि युवतिरीव कोमलकलावति ॥ ९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ वसन्तराग ॥

स्मरसमरोचित-विरचितवेशा ॥ गलितकुसुमभर-विद्युलितकेशा ॥ १ ॥ कापिमधुरि
पुराणा-विलसतिदूवगिराधिकगुणा ॥ २ ॥ हरिपरिभन-वलितविकारा ॥ ऊचक
लशोपरि-तरलितहारा ॥ ३ ॥ विकसजलकलति-ताननचन्द्रा ॥ तदर्धापानर-भस
कृतमन्द्रा ॥ ४ ॥ चञ्चलकुण्डल-ललीतकपोला ॥ मुखरितरसनज-घनगतिनो
ला ॥ ५ ॥ दैवितविलोकित-लज्जितरुसिता ॥ बहुविधकुञ्जीत-रतिरसरसिता ॥
॥ ६ ॥ विपलपलकपृथु-वेपथुभङ्गा ॥ स्वसितनीमिलित-विकसदनङ्गा ॥ ७ ॥
अमजलकनभर-सुभगशरीरा ॥ परिपतितोरसि-रतिरणधीरा ॥ ८ ॥ श्रीजयदे
वभ-शितरुहिरामितं ॥ कलिकलुखञ्जरा-यतुपरिरमीतं ॥ ९ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गुञ्जराग ॥ १ ॥

समुदितमदने रमणि वदने धूम्रनवलितधरे ॥ विलिखितितिलकं प्रविलसदलकं मृ
गमिवरजनीकरे ॥ १ ॥ रमतेयमुना पुरीनेवने विजयी मुरारोरधूना ॥ ५ ॥ धन
चयरुचिरे रवयतिचीक्रे तरलित तरुणानने ॥ ५ ॥ रुक्मकुसुमं चपला सुसमं र
तिपति मृगाकनने ॥ २ ॥ घटयति मूधने कुचयुगागण मृगमदरुचिरुषीते ॥ प्रति
रसममलं तालकपटलं नखपट शशिभूषीते ॥ ३ ॥ जितविशसकले मृदुभूज
युगले करतलननिदले ॥ मरुतवलये मधुकरनिचयं विनरति हिमशीतले ॥
॥ ४ ॥ रतिगृहजघने विपलापघणे मनसिजकनकासने ॥ मणिमयरत्नं तोर
नरुसनं विकिरति कृतवासने ॥ ५ ॥ चारुकिशलय कमलानीलय नखमणि
गण पूजते ॥ बहिरपवरणं यावकभरणं जनयति हृदि योजीते ॥ ६ ॥ रमयति

सुदसं कामपि सुदसं खलु हारशोदरे ॥ किमफलमवसं चिरमिह विरसं वद सखि विद
पोदरे ॥ ७ ॥ इह सभनने कृतहो गुणाने मधुरि पुपदसे वके ॥ कवि युग चरितं नव
सतु हारितं कवि नृप श्रीजयदेवके ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ देखाखराग ॥
२१ अनिलत रलकुव रयशयेनेन सखि ॥ पटतिनसा किशलय शयनेन ॥ १ ॥ सखि
यारमिता वनमालीना ॥ २ ॥ विकसित सरसिज ललितमुखेन ॥ स्फुरतिनसा
मनसिज विसिखेन ॥ ३ ॥ अमृतमधूरमृदु तावचनेन ॥ ज्वलतिनसा मलयजन
रनेन ॥ ४ ॥ स्थलजलरु रुचि करचरणेन ॥ रुठतिनसा हिमकरकिरणेन ॥
५ ॥ सजलजलदसमुदय रुचिरेण ॥ दलतिनसा हृदिचिराविरहेन ॥ ६ ॥ कनक
निचय रुचि शुचिवसनेन ॥ स्वसितिनसा परिजन हसितेन ॥ ७ ॥ सकल भुवनज

नवहृदयसुदारं ॥ दर्शयतिर्वव हिर्मदनं द्रुम नवकिशलयपरिवारं ॥ ४ ॥ दश
नपदंभव दधरगतंमम जनयतिचेतसिरेवेदं ॥ कथयतिकथमधु नापिमयास
ह तवकपुरेतदभेदं ॥ ५ ॥ वाहिरिवमलिनतरंतवहृदयात नोपिभाविष्यतिनूनं
॥ कथमथवज्जय सेजनमनुगत मसमसरज्यलहूनं ॥ ६ ॥ भ्रमतिभवानवला
कवनायव नेषुकिमंत्रविचित्रं ॥ प्रथयतिपूतनी केववधूवध निर्देयवालच
रित्रं ॥ श्रीजयदेवभ रितरतिवभित खरिडतयूवतिविलापं ॥ शृणुतसु मधुरं
विबुधात्मक तोपिसुरवंदुरवापं ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गुञ्जरीराग ॥ ॥

॥ + ॥ ॥ ॥

हरिभिसरतिव. हतिमधुपवने ॥ किमपरमधिक. सूर्यसखिभुवने ॥ १ ॥ माधवे
माधुर्य. मानीनिमानमये ॥ २ ॥ तालफलादपि. गुरुमतिसरसं ॥ किंविफलिक
रुखेकुचकलशं ॥ ३ ॥ कतिनकथितमीद. मनूपदमचिरं ॥ मापरिहरहरि. म
तिशयरुचिरं ॥ ४ ॥ किमितिविषीदसि. रोदिषिविकला ॥ विहसतियूवतिस.
भातवसकला ॥ ५ ॥ सजलनलिनदल. शीतितशयने ॥ हरिमवलोक्य. सफल
यनयने ॥ ६ ॥ जनयसिमनसि. मितिगुरुवेदं ॥ शृणुममवचन. माणिहित
भेदं ॥ ७ ॥ हरिरूपयातुव. दातेकहुमधुरं ॥ किमतिकरोवि. हृदयमितिविधुरं
॥ ८ ॥ श्रीजयदेवभ. रितमनिललीतं ॥ सूर्ययतुलसिकज. नहरिचरितं ॥ ९ ॥

॥ ११ ॥ देशीवरिडराग ॥

FX 11

一一

तिर

वदसि यदि किञ्चिदपि दत्तं रुचिः को मुदि हराति मिरमति धारं ॥ पुरदधरसि धवे त
ववदनचञ्चमा रोचयति लोचनचकोरं ॥ १ ॥ प्रियचा रुसिले प्रियचा रुसिले मुञ्च
मयि मानमनिदानं ॥ सपतिमदनानलो दहति मम मानसं देहि मुखकमलमधुपानं
॥ २ ॥ सत्यमेवासि यदि सुदति मयि कोपिनी देहि खरनखरसरघाटं ॥ घटभुजवन्धनं
जनयदखराडनं यनवा भवति सुखजातं ॥ ३ ॥ त्वमसि मम भूषणं त्वमसि मम जीवनं
त्वमसि मम भक्तजलधिरत्नं ॥ भक्तु भवति रुमायि सततमखुराधिनी तन्न मम हृदयमति
यत्नं ॥ ४ ॥ नीलनलिना भमपि तन्वितवलोचन धारयति कोकनदरूपं ॥ कुसुमसरवा
नभा वेणयदि रुजयसि कृष्णामिदमेतदतु रूपं ॥ ५ ॥ स्फुरतु कूचकुम्भयो रूपारि
मोहामञ्जरी रञ्जयतु तव हृदयदेशं ॥ रसतुरश नापितव घनजघणमण्डले घोष

यतुमन्मथनिदेशी ॥ ५ ॥ स्थलकमलंगज्जराणः ममहृदयरञ्जराणः जनिसितरङ्गपद
 भागं ॥ भरणमभरणवानिकरवानिपदपङ्कजं सत्सरसरत्नकसुरागं ॥ ६ ॥ स्मरण
 रत्नवराडनं ममशीरसिमराडनं देहिपदपद्मवमूदारं ॥ ज्वरतिमयीदाहुराणः मदनक
 दनानलो हरतुनदुपहितविकारं ॥ ७ ॥ इतिचदूरचाटूपदूचाहुरवेरिराणः रा
 धिकामधिवचनजातं ॥ जयान्निपद्मावति स्मरणजयदेवकवि भारतिभावितं भणि
 तमितिगीतं ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ललीतवसन्तराग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 विरचितचाटूव चरणचनंचर रोरचितप्रणिपातं ॥ संप्रतिमञ्जुल वञ्जुलशीमणिक्
 लिशयनमदूजातं ॥ ९ ॥ मुग्धेमधूमथन मनुगतमनुशरराधिके ॥ १० ॥ घनज

घनस्तन-भारभेद-मथरचरणविहारं ॥ मुखारितमणि-मञ्जिरमुपेहि-विधेहिमराल
विकारं ॥२॥ शृणुमणिगत-रंतरुणिजन-मोहनमधिरपूरावं ॥ कुसुमसरसन
शासनवादिनी-पिकनिकरेभजभावं ॥३॥ अनिलतरलकिश-लपानिकरेनक-रेण
लतानिकरुवं ॥ प्रेरणामिवकर-भारुकरोतित-गतिप्रतिमुञ्चविलंबं ॥४॥ स्फुरि
तमनङ्गत-रुचवशादिव-सूचितरुपरिरंभं ॥ पृच्छमणोरु-रुशविमलजल-धारममु
कचकुम्भं ॥५॥ अधिगतमखिलस-खिभिरिदंतव-वपूरपिरतिरगासज्वं ॥ चण्डिर
शीतरस-नारवडिरिडम-मभिप्रसरसमलज्वं ॥६॥ स्मरशरशुभगन-खेनसखि
मव-लम्ब्यकरेणसलीतं ॥ चलवलयकणि-तेरवबोधय-ह्रीमपिनिजगतिशीलं ॥
॥७॥ श्रीजयदेवभ-रितमधिरिक्त-हासुदासितवामं ॥ ह्रीविनिहितमन-साम

धितिव्यतु. कराठतटिमभिरामं ॥॥ ८ ॥॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ वरागिराज ॥॥

मञ्जुतल. कुञ्जुतल. केलिसदने ॥ प्रविशराधे. माधवसमिपमिरु. विलसरातिरभ. सहसि
वदने ॥॥ १ ॥॥ नवभव. दशोकद. लशयनसारे ॥ प्रविशराधे. माधवस. मिपमिरु. विलस
कुचकल. शतरलसारे ॥॥ २ ॥॥ कसूमच. याचितः. श्रुचिवासगेहे ॥ प्रविशराधे. माधवस
मीपमिरु. विलस. कसूम. सुकूमारदेहे ॥॥ ३ ॥॥ चलमल. यपवन. सूरभिशीते ॥ प्रवि
शराधे. माधवस. मीपमिरु. विलस. रसवानि. तललितगीते ॥॥ ४ ॥॥ विततबहुवल्लि. नव
पल्ल. वधने ॥ प्रविशराधे. माधवस. मीपमिरु. विलस. चिरमिलि. तपिनजधने ॥॥ ५ ॥॥
मधुमूदितमधूप. कुलकलितरावे ॥ प्रविशराधे. माधवस. मीपमिरु. विलस. मदनरा

भारसभावे ॥॥६॥॥ मधुरतः रपिकनिक रनिनन्दमुखो ॥ प्रविशराधे माधवस मोपमि
ह विलस दशनरुः चित्चिरासिखो ॥॥७॥॥ विहितपद्मावाते मुखसमाजे ॥ उरु
मुशो मङ्गल सतानीरु भराति जयदेव कविराजराजे ॥॥ ८॥॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥॥ वरात्रीराज ॥॥

२९ राधावदन विलोकनविकसित विविधविकाराविभङ्ग ॥ जलानोधिमिवविध मराडलदर्शन
तरलितकुङ्कुतस्त्रं ॥॥९॥॥ ह्रीमेकरसं चिरमभिलाषितविलासं ॥ साददर्शयुरुह्य
वसंवद वदनमनंगनिवासं ॥ १०॥ हारममलतर तारमूरसिद्धं तं परिलम्बितदूरं ॥
स्फुटतरफेनक दम्बकरं वित मिवयमुनाजलपूरं ॥॥११॥ श्यामलमृदुलक लेवर
मराडन मधिगतगोखुक्कुले ॥ नीलनलिनमिव पीतपरागध रलभरवलयितमूलं ॥

॥३॥ तरलदृगंचलचलनमनोहरवदनजनितरतिरागं ॥ स्फुटकमलोदरखेलि
तरवञ्जराद्युगमिवशरादितडागं ॥४॥ वदनकमलपरिशिलनमिवितमिहि
रसमकुण्डलशोभं ॥ मितरुचिरुचिरसमूहलसिताधरपल्लवकृततरतिलोभं ॥५॥
शशिकिरणचुरीतोदरजलधरमुदहकुसुमसूकेशं ॥ तिमिरादितवधुमण्डलनिर्मल
मलयजतिलकनिवेशं ॥६॥ विपूलपूलकभरदन्तुरीतंरतिकेलिकलाभिरधीरं ॥ मणि
गणकिरणसमुद्रसमूज्वलभूषणसूभगशरीरं ॥७॥ श्रीजयदेवभणितमति
शोभनविभवविभूषणभारं ॥ प्रणमतहृदिभुचिरविनिधायहरीसूक्तोदयसारं ॥
॥८॥ ॥ ॥ ॥ रामकरीराग ॥ ॥

किशलयशयनतलेकुरुकामिनिचरुर्गलिनविनिवेशं ॥ तवपदपल्लभवेशपराभव

मिदमंतुभवतुसूवेशी ॥१॥ क्षणमधुनारायण मनुगतमनुसरणधिके ॥५॥ कर
कमलेनकःरामिचरणामरु मागापितासिविहरी ॥ क्षणमूपकुरुशय नोपरिमासिव
नूपरमनुगतसूर ॥२॥ वदनसूधानिधि गलितममृतमिव रचयवचनमतुकूलं ॥
विरुमिवापन यामिपयोधर रोधमसुरासिदुकूल ॥३॥ प्रियपरिरम्भन रभसव
लितमिव पूलकितमन्यद्वापं ॥ मदुरासिकूल शिविनिवेशय शोसयमनसिजताप
॥४॥ अधरसूधारस मुपनयभामिनि जीवयमृतमिवदासं ॥ त्वयिविनिहितमन
संविरहानल दग्धवपुषमविलास ॥५॥ शशीमुखिमुखरय मणिरसनागुण मनुगू
ण करुणनिदानं ॥ ममश्रुतिद्युगले पिकरवविकले समयचिरादवसाद ॥६॥ माम
तिविफलरूपाविकलीकृत मवलोकितमधुनेदं ॥ मिलनिलज्जित मिवनयनीतव वि

रमविश्वजरतिरेवर्द ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभ. शितामिदमनुपद. निगादितमधुरिपूमादं ॥
जनयतुरसिकज. नेखुमनोरम. रतिरसभावाविनोर्द ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ रामकरीराग ॥ ॥

32 कुरुयदुनन्दन चन्दनशिशिरुत रेणुकरेनपयोधरे ॥ मृगमदपत्रक मन्त्रमनोभव मञ्ज
लकलशमशोदरे ॥ १ ॥ निजगादसायदुनन्दने. क्रिदतिहृदयानन्दने ॥ २ ॥ अ
लिकुलगञ्जन. सञ्जनकरति. नायकसायक. मोचने ॥ त्वदधाम्बन. लम्बितकज्वल
मुज्वलयप्रीयलोचने ॥ ३ ॥ नयनकुरुङ्गत. स्रवितासनि. रोधकरेश्रुतिमण्डले ॥ म
नसिजपाशविलासधरेशुभ. वेवनिवेशयकण्डले ॥ ४ ॥ अमरचयंरच. यत्नमूपरि
रुचिरं. सुचिरंममसमूखे ॥ जितकमलेविम. लेपरिकर्मय. नर्मजनकमलकंमूखे

॥४॥ मृगमदरसवति नललितंकुरु निलक मलिकरुजनीकरे ॥ विहितकलङ्क
लेकमलानन विश्रमीतश्रमशीकरे ॥५॥ ममरुचिरेचोक्ते रेकुरुमानद मन
सिजध्वजचामरे ॥ रतिगलितेलली तेकुरुमानिशि खरिडशिखराडकडामरे ॥
॥६॥ सरसधनेजय नेममशम्बर दारणवारणकदरे ॥ मणिरसनावस नाभरणानिशु
भासयवासयकदरे ॥७॥ श्रीजयदेवव चसिजयदेवव सदयहृदयकुरुमराडने
॥ हरिश्चारात्मार रणामृतकृतकुरु सज्वल खज्वल खराडने ॥८॥ ॥ ॥

॥ ललीतराग ॥

मधुमथनमुर्धिवर मिन्दुकरकामुखं ज्वरुशीवह्वारीसतरङ्गे ॥ हरिचरणनखभिन्दु
रजगर्दननिर्गता वंस्मजलपात्रकृतसङ्गे ॥९॥ नमोदेविगङ्गे नमोमातागङ्गे रु

रणिखीलमेघमलकनंदे ॥१॥ ध्रु॥ तोमसिजलपाविनि चतुर्दधिगामिनि सप्तवी
सुःकृतकृतसार ॥ कनकगीलम्बीता सकलमुनिवन्दिता हरमुकुरशीतक
सुमसार ॥२॥ इरुनिवीलमुनिगनो रिरुणिविलसुर्गनो रिरुखीलवेदेह
दारे ॥ फुरयस्यपियस्यगीयस्य उडुमुनिकंचके भवजलससारतारे ॥३॥ भुभ
शरीरनिन्दुत पुलिनवन्तीकुर्वता तवनामनिर्मलालायं ॥ विक्षताचींचिता पिबिता
वंगाहिता मर्जुनामपरुरसियाय ॥४॥ गनुखजलमिषीसं तमेवजयन्ती कलि
मकरगम्भिरतोहे ॥ पालोकवधुरसिततीनिसुरसिधुरसि सुरसदनेसादनोयाय ॥
॥५॥ तीर्थवरकारिणी सुर्गजोधारिणि हिमशैलपाषाणभेदे ॥ यावयसिनागरं
प्रयसिसागरं स्वर्गताविध्यगीरपादे ॥६॥ सगरसूतसंगमोल सदमलसु

नदरे दुतिय दुक्त दुरापे ॥ निरगतिवाधिवे निर्घानसाधिवे भक्तजनविहितसन्नाप
 ॥ ७ ॥ इतिरामलक्ष्मणे कौशिकानुगया सुरसरीतिक्तनमस्कारे ॥ भणिदमि
 दमादरं धीरजयेदेवकविर शयनिभवजलधीपारं ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

काशिरामयाद्य ललोतवा
 शिष्यकारनं श्वगीतगोवि
 भ्रंसाक्ष परभ्रमोक्षकामनान
 लागणेशयाभजनसदुता
 नया लोसम्बत १०८५ श्रीश
 ७ रंज ३ शुभम् श्वसाफ
 राजभण्डारीनं व धुकीशु



दुरयाकाय गणेशवाहादुर
 न्दयोवाध्यासाफुद्धगु इरु
 मङ्गलाक्षरोलवाश्री ३ मङ्ग
 जुलो ॥ विष्णुमसम्बत २०२५
 केसम्बत १८५० मङ्गशिरशुदि
 योसतेखाचोत्वायातित्माधव
 ध्दअशुध्दजुगुक्षमा ॥



॥॥ गीतगोविन्द कि-आरती ॥॥



श्रीजयदेवकविरभावे ॥ गीतगोविन्द कि आरती ॥॥ ध्रु॥ प्रलयपयोःश्रितकमलाः ल
लितलः चन्दनः सञ्जरः निभृतनी ॥ मामियंचति निन्दति सतविनि वरुति रतिमु
खः पस्यति ॥॥ १॥ ॥ कथितः स्मरसमः समुदितः अनिलतः रजनिजः हरिरभिः व
दसियदी ॥ विरचितः मञ्जुतलः राधाः किशलयः कुर्यदुःमधुमथनकिः आरती

॥॥ गणेशभजन ॥ डेहाताल ॥॥

विश्वविनाशिनी मंगलदायनी गजमुखमूसकिवाहिनी ॥॥ ध्रु॥ गणेशपतिनामते
हृगीरिजानन्द ॥ आदिष्टुपवरदायनी ॥॥ १॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

श्रीगणेशभजन ॥ १ ॥ नित्यनित्यमंगलं शरणसिद्धिदायकं ॥ रुरताकालपाप
दुःखरोगसर्वनाशनं ॥ २ ॥ हेमवरणरूपिनं चौरैर्भुजधारिणं ॥ पशुमुण्डध
रिणं त्वहेजगतपालीनं ॥ ३ ॥ उग्रतेजमोहिनिं हृदयज्ञानधारिणं ॥ शास्त्रत्वहेरूपि
नं आदिनाथमङ्गलं ॥ ४ ॥ गुरुत्वहेरक्षकं शत्रुसर्वखण्डितं ॥ अन्तिमुक्तिआदि
सकल सुखसाधनन्दनं ॥ ५ ॥ अजकरतलक्ष्मीदास ममयज्ञानधारिणं ॥ लोभपा
पदुखकष्ट सकलत्वहेनाशनं ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सुम्पविनायकभजन ॥
जयश्रीराजसुर्ज्यविनायक सकलमङ्गलदिज्य ॥ १ ॥ रत्नमूर्तिगुणानेत्र येकदन्त
गणेशहे ॥ मूसाकिवारुन पदमश्रासनकृद्धिसिद्धिगणेशहे ॥ चतूरवाहु पशुद

न. मुद्रमालापदमहो ॥ भीमवदनवालरूप. आदिसूर्यविनायकहो ॥ २ ॥ करु
तक. विरेशराणचरण. धन्यहेगुरुगणेशहो ॥ दुःखहरण. सुखकरत. दिव्यहेगुरु
गणेशहो ॥ ३ ॥

॥ गणेशभजन ॥

सुफलकरोसर्वकार्ज. विघनराज. सुफलकरोप्रभुआर्ज ॥ ४ ॥ जयविनायक. मङ्गल
दायक. शोभितअम्बरराज ॥ विघ्नविनाशन २ ब्रह्मपायण. भूतवेतालगराज ॥ ५ ॥
कर्जत्रिलोचन. कलिमलमोचन. भालस्वहेर्धीजराज ॥ इलकतदरशन २ भुजङ्गभूष
नसुन्दर. मुखगजराज ॥ ६ ॥ शङ्करनन्दन. त्रिभुवनवन्दन. भञ्जनदानवराज ॥ आश
सेवके २ दासचरणमे. ज्ञानमुगुतिदेधिराज ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गणेशभजन ॥ x ॥ x ॥ भजोमनश्रीगणनायक मङ्गलदाता ॥ १ ॥ जोगीरि
जासुतनामपुकारो सोनरकेसुखरुता ॥ १ ॥ परशूमेदक मुद्राक्षमाला चारीभुजा
येकदन्ता ॥ २ ॥ अङ्गमनोरु नागवरोवर शोभितहेकमुदन्ता ॥ २ ॥ मङ्कटपरच
न्द्रकलाधर नागफुणिशिरवन्ता ॥ ४ ॥ सुरनरमुनिजन ध्यानधरतुहे सिद्धिगणेश
निर्ता ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ x ॥ ॥ ॥ x ॥ ॥

॥ गणेशभजन ॥

ध्यानधरोगुरुगणेशका मनफलपायाहो ॥ १ ॥ अर्धधर्मकर्मआदिक चोरेफ
लकोदाताहो ॥ अष्टसिद्धिनवनिधिदायक गणनायकसुखदाताहो ॥ १ ॥ करि
वदनसुन्दरभूजरजित सिन्धुअङ्गलगायाहो ॥ भालचन्द्रशोभाविराजे मङ्गलना

मकहायाहो ॥ २ ॥ गौरीनन्दनसवसुपदाता पुरुषयानामिहकहायाहो ॥ आदि
अन्ननकोहीनरिपाया गणपतिनामकहायाहो ॥ ३ ॥ चारैवेदनित्यकरिधावतः प
रुषयानादीकहायाहो ॥ मातासहस्रपतीतरुमारु चरुणशरणसुखदाताहो ॥ ४ ॥

॥ गणेशभजन ॥ ॥ वंशताल ॥

जयजयलंघोदरः मङ्गलसामकरनः शरणगणेशः ॥ ५ ॥ त्वहिह्रीरुः तोहिबु
द्ध्याः सकलसुरेश्वरः तोहिहे ॥ भवजलनिधिसुतरणः शरणगणेशः ॥ ६ ॥
स्थावरजङ्गमः तोहिजलस्थलः रुक्मसुदन्तः तोहिरे ॥ जगमगजोतिभरणः शरण
गणेशः ॥ ७ ॥ २ ॥ वरणतगीरिवरः राजमहारथः दुरीतविदारिणीः वालिनी ॥ से
सरणलोः कैसरणः शरणगणेशः ॥ ८ ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गणेशभजन ॥ ॥ श्रीगुरुगणेशाय भजननीवाद्यजिनरे ॥ १ ॥ च्याघर्ड
नशरीरया वाहनतिष्ठंगसेरे ॥ पालिनज्वनादिल मध्विजपमालारे ॥ २ ॥ मनुष्ययापुजा
भाव आदिशक्तिचरणारे ॥ अमंजुलफुलकाव विवजितासुमंजुलरे ॥ ३ ॥ शुक
श्रवणकेवलन तनमनश्चिचरणारे ॥ द्विपालीनेपायाकोसं विवजितावासदिनरे ॥ ४ ॥

॥ ॥ गणेश भजन ॥ ॥

हसला रुधेऽञ्जय जय जय नगरं ॥ ५ ॥ पालिन ज्वना दिल मधिजपमाला ॥ ह
या काय जुलो सेवा दायमाल ॥ १ ॥ वेगलन दुंगदाव जुल वस्त्राभगतन ॥ किसि
वासित स्वसे दोष पुदत ॥ २ ॥ श्रीजोगनरेद्रया सेवक नूल ॥ उजून मलुथ
खा स्वविवेकन ॥ ३ ॥

॥ ॥ गरुडेश्वर ॥ ॥

शिवपुत्रगणपति सुनिलेशोविनती ॥ ६ ॥ मातरपितार पितामहमादिन ॥ मात
रितिरसव शरणकित्तिज्यगुरु ॥ १ ॥ मेराप्रभुपितसव यमपूरुद्धोडके ॥ तुमप्रभु
चरणामे शरणकित्तिज्यगुरु ॥ २ ॥ न्वरणश्रीगणपति सेवकनाममोती ॥ सोहिमो
तिचरणामे शरणकित्तिज्यगुरु ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ गणेशभ० ॥ ॥

वन्देहरनन्दधरण मखिलकलुषहारी ॥ भक्तपालगिरिशाल शैलशिखरवासी ॥
॥ ६ ॥ त्रिभुवनप्रतिप्रेमवाल गलेनागहारी ॥ चतुर्बाहुपरशुदन्त मोदवक्षधारी
॥ १ ॥ त्रिनयनवदनसुन्दर मुखचंद्रखण्डधारी ॥ क्रुद्धिसिद्धिसंगधरत नित्यतनसारी ॥ २ ॥
॥ सुरनरमुखकिन्नरगण विघ्ननाशुकारी ॥ कालिदासविप्रहृदय ममखुद्धिधारी ॥ ३ ॥

गणेशभजन ॥ चोख ॥ याव लोकतनमन जनधन तोलताव. सेवायाक. ह्यादुख
तान ॥ अदभुतजुलवसरूप ॥ ६५ ॥ वारुनभतियानसा. थासेथासेवियातिसा. शा
भाळाकविज्याकरमन ॥ इखेस्वथेनसाफसा. मधिजुलवयानसा. कृदीसिद्धिदेवि
यापासा ॥ १ ॥ लोकवलभुत्तुभुज. पुजाभावसारदाम. पूजाफसेविज्याकरमन
॥ मनुष्येयापुजाभाव. आदिशद्धिचरण. पुजात्वसे. विववरदान ॥ २ ॥ ह्याक
यातनमन. केवलनद्धिचरण. यावजिताविधनहरण ॥ जगतयाअधिपति. नामश्रीगण
पति. क्षमायाव. भगतवजव ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गणेशभ ॥
सुंदरगवरीकेवाला. भजोभाइ ॥ ६६ ॥ आकृवाहनगज. आनंदशोभे ॥ ग
लेफुरिणपतिमाळा. भजोभाइ ॥ १ ॥ परशुमोदक. मूरलियहथे ॥ अवरलियज

पमाता भजोभाइ ॥ २ ॥ करुणकनडित · दासपुमारी ॥ चौरभुजायेकदन्तविशा
हा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गणेशभजन ॥ डेह्रा ॥

भजोमनसिद्धिपाति · शिवपुत्रनायक ॥ अनारीनाशी · अनाथसाथै · नाथद्वाराखर्न ॥
॥ ॥ प्रणम्यदेवदेवन · गौरीपुत्रविनायक ॥ भक्तिकरतनित्यमायू · हृदिकामसिद्धिद ॥ १ ॥
प्रथमनामवक्रतुण्ड · त्रिनेत्रमक्षमालत ॥ द्वितीयनामयेकदन्त · पशुवामरुस्तक ॥ २ ॥
तृतीयनामदृषापिङ्गु · वाराणजचतुर्थक ॥ वामरुस्तमोदपात्र · त्वदन्तदक्षरुस्तर् ॥ ३ ॥
लम्बोदरपद्म · विकटनामषष्ठक ॥ शिवसमतुल्यवन्द्यधात · नागमालशोभित ॥ ४ ॥
नामसप्तविश्रराज · धूमवर्णचाष्टक ॥ कृदितिद्धिशक्तिसहित · जुगममूलकवाहन ॥ ५ ॥
नामनवमभातचन्द्र · दशमनामविनायक ॥ भक्तलक्षनभक्ष · अरिदोषनाशन ॥ ६ ॥

लाभनामगणपतिः हृदयसन्तुगजमुखं ॥ हृष्टनादिदेवजक्षः मूनीविद्यासेवितं ॥ ७ ॥
सतनामद्वादशं पठतिगीतभावनं ॥ विघ्नदुःखनाशशोकः सौख्यहादिदायकं ॥ ८ ॥
मनसचिन्तकामदं मथयन्नशाब्दं ॥ धर्मअर्थकाममोक्षः प्राप्तुर्वानिमानुषं ॥ ९ ॥
फलतविनतीपंअकल राजखड्गसिद्धिदं ॥ वरणाभक्तिरुर्वजुक्तिः क्षमविनतीशानोदं ॥ १० ॥
नन्दसप्तशशिः अहःशुभिवारुणं ॥ शुद्धज्येष्ठमासशुक्लः पूर्णिमासमिदितं ॥ ११ ॥

॥ ११ ॥ गणेशभक्तं ॥ ॥

गायत्र्यगणः पतिजगवन्दन ॥ शंकरकुमारभः वानीकेनन्दन ॥ १२ ॥ सिद्धिसदनगजः वद
नविनायकः ॥ हृष्टपातिधुः सुविवादायकः ॥ १३ ॥ मोदकपिपात्रुजः फलदाता ॥ विद्यावा
रिजः बुद्धिविधाता ॥ १४ ॥ मागतुलसीदासः कदशजोरे ॥ वसहिरामसिन्धुः मानस

पशुध्वजवतल गवरीयाकायदलपोल ॥ १ ॥ वारुनतिष्ठुगसे भववुमेतल ॥ सिल
समतुकतल विष्णुपकपुरुवस्वयाव ॥ २ ॥ विघनहरणवाक गणपतिनामजुत ॥ च
रणशरणतिव करजोरीविनतीदिके ॥ ३ ॥ श्रीगजामहारानी वलफेनेयतावल ॥
रुपादयातयमाल सुद्रिष्टिनकरुणातिव ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ गणेशभजन ॥ ॥

श्रीगणपति विघनवारुणकरुता ॥ ५ ॥ सिलसमतुकलुंया दुमेतलचन्द्रमान ॥ ग
तसकोखासेतल हिरामोतिमालगुरु ॥ ६ ॥ जवलाहातयाजोसा अक्षमालाधवदन्त ॥
खवलाहातयाजोसा पशुमोदकपात्र ॥ ७ ॥ दितादितिहुंयाश्वास अतिशोभालाकरवाल
॥ पारवतिनन्दजुसे विष्णुपकस्वरूपगुरु ॥ ८ ॥ द्विगुरूपगुणयारवं ह्रयजिनमफुगुरु ॥
उपायनदकगुण ज्ञानयाववानगुरु ॥ ९ ॥ शिवपुत्रगणपति सेवकयानाममोती ॥

विष्णुगुरुकृष्णानभिः गुर्वुद्धिमती ॥ ५ ॥ हृदयवाकेवलन विनतीयाय गुमन ॥

उगलसंविद्याजव विष्णुगुणशानगुरु ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गणेशभ्रं ॥ रागवत्तन ॥ प्रताल ॥

जयजयगणेशपति कृद्धिसिद्धिसंगतरेवली ॥ ७ ॥ हेगुरुमूलसिद्धिवाहन स्वदनमक्षमा

ला मोदक परशुविराजे ॥ गलेफणिशिरपर बालनिशाकर शोभितत्रिभुवनजोली ॥ ८ ॥

हेगुरुअविरलगंधच्छल गलमहमेदुर मत्तमत्तंगजराज ॥ त्रिभुवनभूषण भूतकलानिधि

भुतपयोनिधिराज ॥ २ ॥ हेगुरुचंदनचंपक कनविमालति दमदुमनजासुशोभी ॥

सतपत्रनीलकमलादिकेतकि मधूरीनेगुञ्जायमाना ॥ ३ ॥ हेगुरुसुरपतिसुरगण विज

रथगधर्व अपसरिर्दिनसेवी ॥ गुणिजानीपण्डित कविरादिजोगेश्वर जपतपध्या

नसमाधी ॥ ४ ॥ हेगुरुभनपतिनिरञ्जन हृगौरीनन्दकी चरणमेदिनदिनसेवी ॥

यस्मिं सारमेकघुनाहि आवे न दिनदिनधारण सुमारे ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गणेश भ० ॥ मालाभि ॥ ख ॥ ॥

सिद्धिगणपति मद्गुणि गतिमती नेहुने सरुभविनती ॥ ६ ॥ मतुकलोक आते
भिजव अजुगुति तुइवद न उति उती ॥ सुन्दरगणपति चन्द्रमाया ज्वल उति मिरवाया वा
नपले पाति ॥ ७ ॥ ताहाक सोंथ भ्रति भिजव अजुगुति रूसपतसन फिनि फिनि ॥
सुन्दरगणपति सुजकोटी कोटि स्वास स्याडें गुफुति फुती ॥ ८ ॥ परशुमोदका
कटि भिजव अजुगुति थथिड सुन्दरलाहाती ॥ मामजू पारुति बवजू पशुपति
वशिष्ठ थानपले पाति ॥ ९ ॥ अतिन भिडुति झोजव थिति पातीं आसन मद्गुभिडुं
ति ॥ हाक स्व अनाथया विनती कोटि कोटि विहुने भुगति मुगति ॥ १० ॥

॥ गणेश भ० ॥ मालाभि ॥ ख ॥ ॥

॥ गणेशभ० ॥ मालश्रि ॥ ख ॥

शैलजासुतरुक्मीआयल मूसवाहनसुन्दरं ॥ चारुवन्दनपायलवाजे रुनक २३
चारणं ॥ ५॥ नागरुसुकंठभूषण माधेशोभितसिन्धुरं ॥ परशुमोदक वि
घनराज येकदन्तमनोरुं ॥ १ ॥ चञ्चलचामरकराणकुण्डल सिद्धिसंगविराज
नं ॥ कनकमणिमयमकुटर्तपा वालनन्दसुधारणं ॥ २ ॥ देवमुनिसवध्यानकरुहे
विघनराजविनायकं ॥ भक्तगावतदेरुइरूपद कामनाफलपायकं ॥ ३ ॥

॥ गणेशभ० ॥ सिनाज्या ॥ चो ॥

जयजयमङ्गलमूरति नेहुनेजिविनती ॥ ५॥ मामश्रीपारवति लोवसाभगवति पुवाश
करुकैलासपती ॥ सुन्दरगणेशपति चारुसंजिविनती नेहुनेअवनाथाविनती ॥ १ ॥
करुणानखवभति विनतीकोटिकोटि यावमालगारिपडधारु ॥ अमङ्गलफुनकाव सुमङ्गल

वावर्धिनः शकलरधादिकेशराग ॥ १ ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ रागसिनाज्या ॥ चो ॥ ॥

गणेशसिद्धिपति. गणायथाकुर. गलसंकिपानानन्दुवहूँ ॥ चरणासेबलपचधि
याहिछिन. चीत्रलोकउपकारहूँ ॥ १ ॥ ॥ क्रियाहिथंलुमानकाव. हरीयानामकाव ॥ १ ॥
जुलयोअजुगुत. जुलोयोजुगदोस. जुइवगथे २ ग्रावहूँ ॥ धनसमनतसे. धरमम
धामे. धरलपुपा-पशरीरहूँ ॥ २ ॥ ॥ वनेतेलोहिजिवनी. वज्रमपूर. वयावबुयीसि
पमालहूँ ॥ जोजवचोडाखन. जमयासासना. जमनदुःखतिलवश्चान ॥ ३ ॥ ॥ कुली
सजनम. कपटपापमन. कठिनगतितायलोकस ॥ थुलियाहुनीन. थुगुलिजनस. थु
लकाहरीनामकावहूँ ॥ ४ ॥ ॥ मनुष्यजनम. मदतेसदा. मननगथे २ मसिलहूँ ॥ सु

जनसुवचन सुहुनमने सुखस पापभोगलाकहूँ ॥ ५ ॥ ॥ असं संगने कुबुधि
यायमन कुगति कुलनाश जुलहूँ ॥ दयावधन दाय दसेनदानमदु दीरदुजुलिधुज
मस ॥ ६ ॥ मरवतेथ शरील मरवतेतिरीधन मरवतेपुत्रपारजनहूँ ॥ थमनयाजदको
थवतादयिव थमनदानपुण्यमालहूँ ॥ ७ ॥ वतथवदवधका वलमदुहजजन व
लनदुःखवितेसनहूँ ॥ पर्यतादुःखविय परमपापलाक पात्रनकसंवनीहूँ ॥ ८ ॥
सायासारस साधुवसगत सरुजसतगतिलातहूँ ॥ पर्याउपकार परमधरम पर
मपदवनलातहूँ ॥ ९ ॥ नेजनपापपुक् नेहुनेरुरिकथा नेहुनेभारथपराण ॥
जमयापासदे जतनधरम जपलंपेहरीनामकावहूँ ॥ १० ॥ वचनपितल वसुदेव
सुतल वचनरुरिकथाभावन ॥ जयजयभूपतिन्दु जुगुतिवेहलपु जयनुसदाजशमाल
हूँ ॥ ११ ॥

गणेश आरती ॥॥

॥ आरती करिय गणेश गुणगणे ॥ सकल भवन मे मङ्गल
कि उप ॥॥ ७॥ ॥ हस्तीवदन शिर चन्द्र विराजे ॥ लम्बोदर एक दन्त सुधार

॥॥ ८॥ ॥ मोरमकुटपि तांबा शोहे ॥ गल मे जवनी के माला प्रभुजी ॥॥ ९॥
श्री गंगा धर आरती गावे ॥ कृद्धि ति सिद्धि दोउं चम रुडुलावे ॥॥ १०॥ ॥

॥ गणेश आरती ॥
जय गणनाथ क मंगल गावे ॥ भक्त भक्ति जन करत वधावे ॥॥ ११॥ जगमग
जाति क पूर के वाती ॥ शंख ध्वनी कर चमर दोलावे ॥॥ १२॥ तालत डोल क
मृदङ्ग वजावे ॥ गावय आरती गुमहि देखे वावे ॥॥ १३॥ श्री विष्णु शिव प्रह
गण पति ॥ ऐसे जानि के करत वधावे ॥॥ १४॥ नृप गीर खानजू विक्रम शाहे वा ॥

जुगभारिराज-तिलकवरदान ॥४॥

॥॥ आरती ॥॥

आरतिकरतु-महेश्वरनन्दकि ॥ भक्तध्यान-जपकरहुंगोशुकि ॥॥ ५॥॥ गजमु
खसुन्दर-त्रिनयनकि ॥ मकरमणिमय-पुष्पचन्द्रकि ॥॥ ६॥॥ सिद्धिविनायक-पु
त्रगवरीकि ॥ तुमहिंलम्बोदर-एकदन्तकि ॥॥ ७॥॥ जाकेगलेपर-नागफरिगतकि
॥ परशुमोदक-मालाजपकि ॥॥ ८॥॥ आरतिकरत्वहे-नाममंजुलकि ॥ आशा
पूर्णकरो-दासकविरुकि ॥॥ ९॥॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ लाञ्छिताल ॥

॥ गुरुश्रीनृत्यनाथ तेरी चरणतलमेवाहसा ॥ दासभ
गतजानि. लिजियवरणमेवाहसा ॥ १ ॥ ॥ दिनदिनस्वामितेरी चरणामृतप्यासी
मेरी ॥ पूरणकरेआशा. सवापराधविसारीमेरी ॥ ॥ १ ॥ ॥ वामेभैरवशोहे
शंभु. औरदक्षीणशोहेस्वामि ॥ विचविराजेनरु. गुरुश्रीनृत्यनाथस्वामि ॥ २ ॥

॥ ॥ नृत्यनाथभजन ॥ ॥

जयजयश्रीनृत्यनाथनचैआ. नदिभृदिमृदङ्गवजैआ ॥ १ ॥ ॥ द्विमिकद्विमिक
डमरुवजैआ. रुमकतहातगुमेआरुहाम ॥ बागवादिनीज-त्रवजैआ. रविशशी
मुरलीवजैआरुहाम ॥ २ ॥ ॥ वयकंठनाथनेवेणुवजैआ. ब्रह्मातादावजैआरुहाम
॥ गणेशकुमारगोतवजैआ. भक्तनहातजोरैआरुहाम ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ रत्ननाथभरीभजन ॥ ॥

जयन्तीरत्ननाथभरी. लोकसर्वमोहिनी ॥ नन्दिभृन्दितालथलाङ्ग. धैआकरतशोभि
नी ॥ ॥ १ ॥ सुन्दरशिवअर्द्धगौरी. वामभागसुन्दरी ॥ भाउजोतिकोटकिरिटि
चन्द्रमौलीशोभिनी ॥ ॥ २ ॥ ध्यानभुजअष्टदक्षि. ओतेकरुङ्गनाटनी ॥ भक्तिजनअ
भयवर. प्रसन्नमोक्षकारिणी ॥ ॥ ३ ॥ आदिशक्तिआदिनाथ. आदिअमरसेवि
नी ॥ अरिष्टअसुरदुष्टदर्प. नाशदुःखमोचनी ॥ ॥ ४ ॥ पञ्चकृतनगीतभाव. ए
जस्तपवृद्धिनी ॥ चरणभक्तिक्षेमविनती. लोकसुखप्रार्थनी ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ रत्ननाथभजन ॥ ॥

गुरुत्ननाथ. प्रभुत्ननाथ. दिगुलीसुदृष्टिनस्वहुनेजिपनिसमती ॥ ॥ ६ ॥ धरमक

रम मवाङ्गुगुमन कुसङ्गुसङ्गुयाप्रभावन ॥ सुसङ्गुदुवारन २ यातकिधरमकरम ॥
॥ १ ॥ ॥ परवाईपकारुयायजिनमफुया सुसङ्गुमदुयाप्रभावन ॥ सुवर्द्धिविहुने
परेष्कारफुयकाव ॥ २ ॥ ॥ भजनदिगुलीसदानजिनयाय फुयकाविहुनेदृष्टा
न ॥ संसारसंसारु २ दियदर्शनविहुने ॥ ३ ॥ ॥ पूर्वजन्मसयाज पापन
दुःखमिलथुगुजन्मस ॥ कृतकिप्रपाप २ दुःखकश्मजिअनाथया ॥ ४ ॥ ॥

॥ नृत्यनायभ० ॥

नृत्यनाय विवजिताज्ञानवादान ॥ ५ ॥ ॥ नाथेश्वरनाथेश्वरी शिवशंकरस्वामि ॥
बहुकवेताल २ भद्रवसहितन ॥ ६ ॥ ॥ धरमकरमजिगु मनसजिवाङ्ग ॥ त्विरया
जविव २ जिगुमनववधियात ॥ ७ ॥ ॥ भिडसतसंगयाय मनजिमवाङ्ग ॥ सुपुत्री

सुखीग २ विप्र अशानी सियाव ॥ ३ ॥ द्विगुली सुमनयाय मननाजिम फ्या ॥ फ्याका
व विप्र २ जितसदानरूपान ॥ ४ ॥ मननमफ्यादिग भक्तिभावयाय ॥ करुणातयाव २
स्वसुप्रन्नजुयाव ॥ ५ ॥ न्हाकस्त्र अनाथपनि दिपातीतयाव ॥ दोङ्गुली क्षमा २
याव सुदृष्टितयाव ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ राग भथ्यारी ॥ ॥

भईरवकरुसान सोरुनेडधार ॥ ७ ॥ अधरमवेरुसं चेनेगुली आव ॥ डुकाहु
नेथपरागा अधिकपापदुखन ॥ ८ ॥ धवसेवकयाथास यापिवसुनान ॥ मेवया
भलोसा महु तरेगोले गुह ॥ ९ ॥ अगणनपुनकाव अचेतानल ॥ सरुभविनती
दिके विरुनेडधार ॥ १० ॥ धर्ममदुस्त्राजन सोरुनेननान ॥ श्रीरणाजित प्रभु धर्मवि
धिवखान ॥ ११ ॥

2760

आशावरी ॥ ३७ ॥ नेहनेश्री भद्रव विनतीरवल्काय ॥ मेवमदुजितागति नदिदृश्यास
हाय ॥ ३८ ॥ मयाजदुसेवाजिन जतनउपाय ॥ चाजयाजजतन मजिवदंका
य ॥ ३९ ॥ वायमफुथनिथ कुलयावेहार ॥ मयासेमजुसेचोन लोकसको
याल ॥ ४० ॥ ईसेतजथवक्षेंस मदुघरसाल ॥ दुहावनेद्वेससोय जर्मयादुवा
र ॥ ४१ ॥ मचातोपनिसथव बोसतनवाने ॥ लातकेमफुतमन मनसअपमा
न ॥ ४२ ॥ दयीवधकावजीन तयावदिआशा ॥ सेवानपाचोऽहान मयाकविवे
क ॥ ४३ ॥ श्वजुगसंनिधनहया स्वातोलेनसीक ॥ दुःखयाखंशुयजीन मजुवपतीन
॥ ४४ ॥ लहाकस्त्राअनाथसिसे याहुनेउधार ॥ दुःखराजसमुदर दोहूजि पार ॥
॥ ४५ ॥

राग ॥ अस्तुति ॥ + ॥ ब्रह्मायणि कल्पारिण मईमायादेवि ॥ १ ॥ असीतभयीर
व ब्रह्मायणी स्वचित ॥ शरण ० लिय हो वरदायनी नवदुर्गे ॥ १ ॥ रूभशरव मोहे
भरी स्वचित ॥ मधुकैरभ ० दैत्यनाशनी नवदुर्गे ॥ २ ॥ चञ्चनभशरव कौमारी सोचि
त ॥ निसुम्भ ० सुम्भ दैत्य छेदनी नवदुर्गे ॥ ३ ॥ क्रोधभशरव विष्णुवी स्वचीत्त ॥ चं
ड ० मुंड दैत्यनाशिनी नवदुर्गे ॥ ४ ॥ उन्मत्तभशरव वाराही स्वचित ॥ महिषा ० सुर
दैत्य छेदनी नवदुर्गे ॥ ५ ॥ कैपालीभशरव इन्द्रायणी स्वचित ॥ जगत ० जननी
देवि ईश्वरी नवदुर्गे ॥ ६ ॥ भिषगाभशरव चामुण्डा स्वचित ॥ रक्त ० विज दैत्य छे
दनी नवदुर्गे ॥ ७ ॥ सीताभशरव महालक्ष्मी स्वचीत्त ॥ भगत ० पुनर्वर् अमृत

वाणीनवदुर्गे ॥ ८ ॥ आकाशभरव · तलेजूभवानी ॥ नवदुर्गा ० भक्तप्रवासिनीन
वदुर्गे ॥ ९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ राजाभिमभजन ॥ ॥

जेजेभिमेभर · शिवशिवशंभो · छत्रपतिमहाराज ॥ १ ॥ कौशिकसे · पुरुवभागे ·
ताम्वरकौशिकातीरे ॥ द्रोपदिमाईगणेशपतिआगे · वैठीरहेमहाराज ॥ २ ॥ ज्ञानि
मुनीजन · ध्यानधारतुहे · कोहिरुद्रिकताहे ॥ भिमभरव · भयानकमूर्ती · छागवली
महाराज ॥ ३ ॥ अवभयहूकरेभिमराजा · चरणमेभक्तिकताहे ॥ दुखदारीद
सव · छुराकरले मेकोकरुणारखो ॥ ४ ॥ ॥ ॥ + ॥ + ॥ + ॥

॥ ॥ व्रतनाल ॥ ॥

जेजेदुःसासन प्राणरुणपदतुम शरणतुमारो ॥६॥ भिमराजा-किंव
कमदेन २ दशगजसतवल २ तुमारो ॥२॥ भयङ्कररूपवदन २ शरणतुमारो ॥
॥१॥ वासुपुत्र-द्वौपदीवल्लभ २ नमघनसमवल २ तुमारो २ ॥ सरुश्रकि
रणकर २ प्रभुवदनतुमारो ॥२॥ पाण्डुनन्दन-रीपुकुलगञ्जरा २ मणि
मयभूषण २ तुमारो २ ॥ मणिगणसुखचिन्तशिर २ मकूटतुमारो ॥३॥
कविद्विजवरतुम-नामसुगायक २ भजनवृकोदर २ तुमारो २ ॥ तुमपदभा
वेभजन २ शरणतुमारो ॥४॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

[भजन]

हस्तीनापरआय-चलियभाइसवेहर्वितआनन्दकरके ॥५॥ भीमअर्जुणदुर्पदि

आय ॥ नकुलसहित शरुदेव ॥ १ ॥ * ॥ * ॥ + ॥

॥ ॥ भिमभैरव ॥ ॥

धन्यधन्यधन्यधन्य · शरणभिमभैरवं ॥ ॥ १ ॥ ॥ जन्मलियपुण्यभूमि · प्रगतस
तलींगे ॥ मगनकरुतवसतसिंदु · मुनीलोकसङ्गे ॥ ॥ १ ॥ ॥ आयचलियरु
स्तीनगार · भिवमविदुरसङ्गे ॥ मनमेवैरीभावराशि · शंयकुमारलागे ॥ २ ॥
खानपानविषमिलाय · देतोवारिधारे ॥ खायशदेवसाहे · विवहिंमहिंशारे
॥ ॥ ३ ॥ ॥ लाहृघरमेवासक्थि · सुखलाहृखाने ॥ विदुरवचनसमुहि
समुहि · जुगुतिजननजाने ॥ ॥ ४ ॥ ॥ व्यासवचनलियकेचलत · दुपदराज
धाने ॥ दुर्पदीकोदानपाय · सवहिंहारमाने ॥ ॥ ५ ॥ ॥ शकूनीकरुतडुष्ट

सङ्ग • कपटपासरेवेले ॥ धनकोनाशवनकोवास • पांचभाशीमिले ॥४६॥ वाहु
वरखवनमेवास • दुखकष्टपाय ॥ यकवरखगुपतवास • मत्स्यलोकजाय ॥७॥
अपनेभागईन्द्रप्रस्त • कृष्णादूतलाय ॥ पांचभाशप्रगतभय • तबहिंखवरपाय
॥८॥ ॥ वीरवीरक्षत्रीलोक • कुरुक्षत्रजाय ॥ जुद्धकरतपापिकपटी • सब
कोनाशकिय ॥९॥ ॥ गोत्ररुथ्यालागेमेको • मनमेउदासभय ॥ अभ्यमे
धजज्ञकरत • पापकोभिनाशिनी ॥१०॥ ॥ रामनाममुखसेवोले • ईन्द्रलो
कजाने ॥ पांचभाशदुर्पदीको • स्वर्गवासपाय ॥११॥ ॥ श्रीराजेन्द्रविक्रम
शाहा • हातजोडमागे ॥ गुरुभरिंकोकोटितिर्थ • दुखदूरभागे ॥१२॥ ॥

॥ भिमालुतो ॥ ख ॥ मरुगाजधिराज २ राजेन्द्र भिम्बलीशरणा तुमारे ॥ १ ॥ पाण्डु
नन्दनः सिद्धिभञ्जनः भूषणमणिमयशोभनं ॥ सहश्रुदिराणकर २ वदनगुमाहे
राजेन्द्र ॥ १ ॥ १ ॥ भिमराजतुं किंचकमर्दनः सहश्रुगजबलधारे ॥ भव्यकर
पधरत २ असुरकोमारीतुं राजेन्द्र ॥ २ ॥ वायूपुत्रदुपदसुतापतिः दत्तपति
तुमनामा ॥ कुरुत्तदासरत्नतेरी २ वासचरणकिराजेन्द्र ॥ ३ ॥ + ॥ + ॥

॥ भिमालुति ॥ प्र ॥

॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

॥ राजा भिमः शरणागतः तेरी आशा ॥ १ ॥ कपटिमुखः दुर्जोधनराजा
वाधिगयोजक्षराजा ॥ कुलकेनामनरावनकारणतारीतिव अभिमानी ॥ १ ॥
दुःसासनअतिः दुष्टगुमानीः द्रोपदीमनईतारी ॥ हस्तिगयोद्यातिकरवेदीः रत्नपि

यअतिहासी ॥२॥ जिनकेनामलियरजगार पथचलेमनकाशी ॥ करुजन
राखोकोहीजनमके दुटिगयोजमफासी ॥३॥ करुतईदासी भक्तुमारुज
नमजनमत्वहेदासी ॥ भिममहावर्नी क्षत्रविराजे पूजीलेहो अभिमानी ॥४॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ भिमास्तुति ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

श्रीश्रीनश्रीयमजीक पुजाफूयलिमलाक ॥ गुंगुलिधपयाकुंन दकोभूनस्वाक
॥ वयलिस्मफूतकाव धमंफूकोहित्वजव भिमसेनरसनविज्याक ॥५॥ अ
नेकवाजनथाक न्यजवचोनेमद्युक ॥६॥ ब्राह्मेपावरणसदुवाक ॥७॥ पु
किसिकलनकाक सिंहयाकुनप्याक ॥ सलाज्यसेचटवाक अनाखस्त्रपाक ॥८॥
वतिमदुवललाक हित्वजनअतिष्ठाक ॥ ल्वायथास फादिमीच्याक ॥९॥ रुगुलि

मिखानस्वसे तमनपलीनचुसे ॥ आतिकुटिपिकायाव दुःसासनस्याक ॥ ४ ॥
पुण्ययालंपसलीक पापयाभयनग्पाक ॥ भावभक्तिजनवो अतिजाक ॥ ५ ॥
भादिस्वस्ननरुहाक फ्याथेविनतीयाक ॥ दिपातीनेपायाकोस विरुनेजिवास ॥ ६ ॥

॥ ॥ आरती ॥ चोख ॥ ॥

॥

×

॥

×

भिमसेनक्षत्रपाल आरतीकरे ॥ ॥ प्रातस्नानभिमसेन भावपूजनं ॥ ७ ॥
अइन्द्रपञ्चतत्व आरतीकरे ॥ ॥ पञ्चविसतत्वजान वातिकभरी ॥ ८ ॥
जोगध्यानदीपमाला आरतिभरी ॥ ॥ धूपदीपनइवद्य भावनाकरे ॥ ९ ॥
इन्द्रविष्णुजाके भावस्वकरे ॥ ॥ मुनिद्रुसिद्धिचामर सायनाकरे ॥ १० ॥
वाजेटोलकताले किर्तलाभरी ॥ ॥ गावयतोभक्तजन मानसोकरे ॥ ११ ॥

॥

॥

॥ शिवास्तुति ॥ देहा ॥

॥

॥

॥

श्रीनीलकण्ठस्य दाशिवशुभो मरुदेवो हरुर्वर्व ॥ १ ॥ खवद्विअङ्गुहिङ्गु
लारुङ्गु मितसगङ्गावासविलंथमअतिचर्वभुतवमङ्गुभुवनसंजनकावदेश
हिलं ॥ १ ॥ जटासलुद्धाविनकोरवालं चन्द्राकलानदुनातलं ॥ विभुती
नवलं जोनत्रिशूलं धूँयाङ्गुलिनवस्त्रजुलं ॥ २ ॥ गलसकोरवालमोलया
मालभ्रिङ्गुगुहालतेजजुलं ॥ रुसमतिसा नागनहिता वाहनधुँसागसेजुलं
॥ ३ ॥ गात्रियशतोसा अफिननसा यशनयावमष्टजुलं ॥ सौङ्गलमिखानंभी
जुलीवोलं कामदेवभश्मजुलं ॥ ४ ॥ धूँयाङ्गुलिलासा दवुश्थासा नागनजो
सचीनातलं ॥ त्रिभुवन्यानाथभूतवसाथप्रेतपिशाचलीकाजुलं ॥ ५ ॥ जव
सनद्विखवसभृद्विशङ्करनार्थसिद्धिविलं ॥ रसनविज्जासेप्यारवनहुसे मुसु

हेलाप्रथानकली ॥ हे ॥ देवमहेश्वर तेजप्रकाशं मशानसंवासयानाचोनी ॥
थमभवधूत वानसजुक्त जोगीजुदावफेनजुलं ॥ ७ ॥ द्विगुलीचरीत्र दृष्ट
य असदृश्य दोड गुक्षमायावशिर्व ॥ जयपरकाश शिववसाथ लोकउधारया
वशिर्व ॥ ८ ॥

॥॥ शिवास्तुति ॥ लंताल ॥

उन्नरभरथत्वहे जोगीयेक आरल ॥ वैसेला ० जोगीकृषिदरवार ॥ ॥ ५ ॥
 खनेजप खनेतप खनेलेभ समलेप ॥ खने २ ० जोगीधरयराजाने ॥ ॥ १ ॥
 सुवर्णकेथलीयामे हेरामोतिकभरोया ॥ भिविलेहे ० जोगीद्वारदुवाल ॥ ॥ २ ॥
 भिविवनलेलजोगी पुखरुनवोले ॥ मागेला ० जोगीराजकुमार ॥ ॥ ३ ॥

रुद्रीवदयकरुं. हेराथीमेदायनी ॥ जोगीरूपं० किधुकरुयनजाने ॥४॥

भनरुंविद्यापति. सुनिघेमेदायनी ॥ जोगीनहि० धिक्त्रिभुवनयानाथ ॥५॥

॥ ॥ शिवास्तुति ॥ लताल ॥

॥ ॥

गयथुं सामशानसं. चोनिवविधिनरे ॥ स्वसंलेप० लपतनभिः विभुतिनरे ॥ शिवला

यभगतिन ॥१॥ धुंक्षेंगलीजांसधिसा. तिलहीलविनरे ॥ गवरिमु० देसतसे

तलपिरतीनरे ॥ शिवलायभगतिन ॥२॥ भावभगतिनलाय. देवमुनीनरे ॥

संसारसं० वविनानमखाजजानिनरे ॥ शिवलायभगतिन ॥३॥ नागनसाधो

जनः. राजाविनतीनरे ॥ करुणात० यावप्रभुयाहुनेसुदिनरे ॥ शिवलायभ

गतिन ॥४॥

॥ शिवास्तुति ॥ चो ॥ सदाशिवजी · राखो अफुने चरणतलजी ॥ १ ॥ जतुवान
वतुवा · गलेविभुती ॥ लेखिनपरे ० हरिजोगी अवधा ॥ २ ॥ मायामोति
हीरा · हृदयनहिजान ॥ नजानसेवा २ नजानध्यान ॥ ३ ॥ हाथविभुलशिव · ड
मरुवजाय ॥ मन्दिरुडपा २ ध्वजाफुहेर ॥ ४ ॥ भनहेविद्यापति · यशोरसगाइ
॥ हरिकेचरणचित्त २ नवनिधिपाइ ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ शिवास्तुति ॥ दे ॥

गौरीभोलाकर · जाडंसदाशिव ॥ ६ ॥ वसाहाचेठशिव · वरनेकोदाला ॥ काखमे
भस्मकिशोली ॥ ७ ॥ तनवठनेशिव · वाघकीछाला ॥ खन २ डमरुवजाय ॥ ८ ॥

[॥ शिवास्तुति ॥ भय्यारी ॥ ख ॥] ॥ ॥ ॥ ॥

शिवपशुपतिरूपपशुपति गतिकोटिजिविनती फुलकिवदुखपापमती ॥१॥
चिन्तसंघाकुल चंचलमनजुल स्थिताजविरहर्तुल ॥ पुराणप्रायसश्मवाङ्मतिभुल
॥१॥ ॥ मदलेगुणज्ञान मलाकथानवान पुरुषपापनेकेनाव ॥ मयाकधरमश्नुथे
दुःखअपमान ॥२॥ ॥ मदुसुहृति मधावभिड चिन्त विमुखदश्वनलीत ॥ गोहारसु
याके २ फोनेशिवदृष्टायाके ॥३॥ ॥ हृदयदुःखस पापलजुयाव ईनापयाजथ
निधिगे ॥ मनोरथविव २ ल्हाकस्रयताथनी ॥४॥ ॥ नृपतिश्रीरणाजीतमल्लया वच
नन्यजवसुफल ॥ अधिरसंसार २ सिमेंशिवमेवायाव ॥५॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ शिवाम्नेति ॥ प्र ॥

हेशिवशुभो पशुपतिवंभो विनतीहृदम्हो तेराचरणकिसइहो ॥६॥ भावतरङ्गो

शशिधरगङ्गे भूषणकण्ठभुजङ्गे ॥१॥ गौरीअध्दङ्गे सुतगुरुलम्बो दरगजव
दन श्वेताङ्गीअङ्गे ॥२॥

[॥ शिवास्तुति ॥ ख ॥]

पशुपतिनाथ जगतयानाथ पशुपति याहुनेजिअनाथउधार ॥३॥ मृगयारु
पजुसे मृगथोस्त्रिताजुसे विज्याकपशुपतिनाथ ॥ व्रीह्याविष्णुइन्द्रव्या दिक्के
स्तुतियाक पशुपति ॥१॥ पेङ्गुतिदुवानसं पेङ्गुतिरूपजुसे विज्याकपशुप
तिनाथ ॥ त्रिशूलडमकज्वसे विज्याकक्षानाथ पशुपति ॥२॥ तेतिशकोटि
देव गरामुनकाव विज्याकपशुपतिनाथ ॥ वागमतितीरथसं अतिशोभा
लाकपशुपति ॥३॥ ह्यकक्षानाथया दुःखफृतकाव विहुनेपशुपति

नाथ ॥ द्विपालीनेपायाकोसं · विवजितावास · पशुपति ॥ ४ ॥ + ॥ + ॥

॥ शिवास्तुति ॥

रुस्नामलुमानाव · शिवनामलुमानाव · वेरधनफुत · ध्वजनम ॥ १ ॥ लखचो
रासिफिरोयाना · अतिकष्टजुलध्वजनम ॥ ध्वजनमसंचेतनमयासा · रुनचौरा
सीहिलेमाली ॥ वेर० ॥ १ ॥ गर्भवाससंचोनागुवेले · धिगुभक्तियायधकाधा
या ॥ संसारसंजनमजिजुया · विषयजालसंभूलेजुल ॥ वेर० ॥ २ ॥ बालखसंज्ञान
जिमदया · मामववुयामुलेभूलेजुल ॥ जोभनयाअवस्ताजिजुल · सम्पतिदयके
धकाजुल ॥ वेर० ॥ ३ ॥ धनदोलतदयकेधका · अनेगकरमदयकातल ॥ धम
तयासुधवतादयिव · नाहाकनरकसंभूलेजुल ॥ वेर० ॥ ४ ॥ जगतईधारया

यता अनेजजतनदयकातल ॥ छगुजतनथायजिमफया • नाकाकभरमसंभूलेजु
ल ॥ वेर० ॥ ५ ॥ साधुसत्तनप्रितिजिमयाज • हरिभजनसंचिततयमफ ॥ ध्वजम
जिगेरथनवन • अत्यकालसपहुतावेजुइ ॥ वेर० ॥ ६ ॥ हाकस्रयाविनतिदिक्दि
पालीयाभगतीविवजिता ॥ प्रभुजूयाक्रिपादयकि • गरिपयाउपरसं ॥ वेर० ॥ ७ ॥

॥ ॥ त्रिगुणसुति ॥ ख ॥

दत्तात्रयनाथ • अनाथयानाथ • दत्तगुरु • यायद्वलपोलनमस्कार ॥ १ ॥ जवस
वैश्वरूप • खवसशिवरूप • दधुमविष्णुयावरूप ॥ मोरुईरूपजुसे २ • आतिशो
भालाक • दत्तगुरु ॥ १ ॥ शंखचक्रगदा • त्रिशुलपतेखान • ज्वडावरसनविज्या
क ॥ कमण्डलुज्वसेप्रभु • आतिशोभालाक • दत्तगुरु ॥ २ ॥ हससकुंडल • तु

यावच्चरणसं विज्याकरवराड-ह्याजव ॥ मिलसजटानहिसे २ अतिशोभात्मा क
दत्तगुरु ० ॥ ३ ॥ ल्हीक अशरण मियावद्विशरण विरुनेकरुणानिधान ॥
नुगवलसंविज्याजव श्रवियमालज्ञान दत्तगुरु ० ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ शिवआरति ॥ ॥

ध्वभवसंसारअसार ॥ ६ ॥ वागमतिस्नानयाय मनव्यजरमन पशुपतिदत्त
नयाय ॥ नुगलसंभालपाव विचालयावस्त्राजन शिवश्रधकाहिधाजव ॥ ७ ॥
यनेमदुसुनान धनजज्ञौभन सत्यपापवयिवहिलाव ॥ कामक्रोधलोभमोह तो
लतिववस्त्राजन धर्मकिर्तियाकोधतासार ॥ ८ ॥ सुरुजकुलयाप्रणिरणजी
तनरपति तलेजूनदेविपदलाइ ॥ पशुपति २ त्रिभुवनयाठकुर हिजिलेनवसप
दलाय ॥ ९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ शिवआरती ॥ ॥ ॥ भोलानाथविः आरतीकीजे ॥ तनमनधन - देहोष्ठावलदि
जे ॥ ॐ ॥ कनकंकणभटङ्गा - धुनिश्वाजे ॥ तिनैलोफसंग - फिरतिभवानी ॥ १ ॥
पञ्चउवदन - शिवरुगङ्गा ॥ ओंखधतुफल - भोजनभङ्गा ॥ २ ॥ रामदृष्टा
भजन - जुगसेवा ॥ देतोअभयवर - भोलानाथदेवा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

[॥ ॥ शिवार्ति ॥ ॥]

हरकेआरति - मङ्गलगावय ॥ ॐ ॥ चरणशरणलाय - भक्तिभावलाय ॥ तालमृ
दङ्ग - डमरुवजावे ॥ गोघृतकर्पूर - जोतिचधावय ॥ १ ॥ जाह्नुमनगय - हरकेउ
परगय ॥ त्वरुतुरुमन - ध्यानतुमारे ॥ श्रीविसरिते - मङ्गलगावय ॥ २ ॥ ॥ ॥

॥ रागविभास ॥ ख ॥

ईश्वरी. गुह्यश्वरीमार्ग ॥ करुणामिखान २ सोव अनाथसियाव ॥ ५० ॥ चन्द्रकि
रण्डति. द्विरूपयातेजजोति ॥ मुन्दमातभिः २ आदिचरिणभगवती ॥ ईश्व ॥ १ ॥
यायमकुद्विभगति. दोऽथासजिविनती ॥ वियमतेदुःख २ अतिद्विचरणसंगती ॥
ईश्व० ॥ २ ॥ महिकजिथनाअति. सेरुलपाचोऽमती ॥ मभिःकुदिन २ अति
लखलपिभक्ती ॥ ईश्व० ॥ ३ ॥ जगतसंमदुद्धिती. सदाशिवजिविनती ॥ हू
कक्षानिरंजन २ अतिहृपायावमुगती ॥ ईश्व० ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दुर्गाअस्तुति ॥

कालिकल्याणि. नवदुर्गेभवानीमाता ॥ ५० ॥ कालिकल्याणिदेवि. कमलविण
जे ॥ अक्तिमुक्तिवरदायनी. नवदुर्गे ॥ १ ॥ तिरुवाहिनी. पदमसुधारिणी ॥ खड्ग
पधरणी. नवदुर्गे ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥

रागवेहाग ॥ रव ॥ मनकामनादेवि · तारणिगुणयावखानी ॥ ६॥ धानवानपारवति ·
तेजजुलसुज्येजोती ॥ स्वामिजुल · स्वामिजुलश्रीपशुपती ॥ ७॥ ससारसंमदुद्धिति ·
वारंवारंदुःखअती ॥ वानेचोने · थासमदुभति ॥ ८॥ पतीतयागतिमती · दराशन
विवभती ॥ फृतकिव · पापलोभमती ॥ ९॥ गतिसुक्तिदिभगती · थुगुलीलोक
याभती ॥ जुसेचोन · विभुवनयापती ॥ १०॥ ज्ञानगुणयाधनी · जगतद्वारत्वमणी
॥ तिवथनि · द्विचरणसंगती ॥ ११॥ लहादह्मनमनतेस · चायमपुद्धिभगती ॥
विवजिता · परलोकगती ॥ १२॥ श्रीराजराजेन्द्र · नेपालयाद्वत्रपती ॥ सुखवि
व · प्रजालोकपती ॥ १३॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ देविअस्मृति ॥ रव ॥

जननीत्वहे करुणासेवकरवनेमाल ॥ ६५ ॥ नकलुवदोलदि सुर्घ्ययाथेह
पार्जन गुणवारं ह्यायअपाल ॥ पुहिसियाचन्द्रमा कोटिजुलदि खालयाजोति
सो गलमिखानथेजाव ॥ १ ॥ सिलसमतुकथीक कुंडलहेलामाणिक गलसंको
खासेसिलमाला ॥ लोववोसतजरीया मोतियाशूलनतिया परिजनजोगीणिवेता
ल ॥ २ ॥ गसेसिरुवारुन त्रिभूलनसुसेस्नास खैयासुरपीवार ॥ खडगववयती
लान गणपतिसगथन रुटरटहेलवारंवार ॥ ३ ॥ चन्द्रलदिमिबिष्णुमतिज
वलदिमिवा नाथहरियाअवतार ॥ हाकह्मनेपालपति विष्णुमदनर
पती भगवतीजिह्वाउधार ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राग ॥ प्र ॥

॥ देविस्तुति ॥ प्र ॥ रुमाम् जयजय महमाया सो गुलीलोक चारणी मुमुहने इला
पविष्पाक ॥ वयलीव अतिव्याक २ खर्गलुज वस्याक दशेर्महारयाक हीनखुसी
झ्याक ॥ ५ ॥ रुमाम् हे हुनिथे जीक खाल मोलमालं केखायाव सिलसमतुकधी
क ॥ रुससकं पडलधीक २ सिंहवाहनयाक अतिरूपयाशे भाताक करुणादयान
शोक ॥ १ ॥ रुमाम्-संसारया आशायाक द्विधस्त्राया थासंजक चोने गुजिमन
याक ॥ भगती भावनलाक २ आनन्दरसयाक द्विपालीने पायाजक दरशन
विषगाक ॥ २ ॥ रुमाम्-वेतालया चोसंदीक कवानभूतनलीक भगतीया
रक्षायाक ॥ मात्रीकागणनलीक २ आनन्दरसयाक शुकलादि थासजक म
नरथपुरेयाक ॥ ३ ॥

॥ देवि अस्तुती ॥ प्र ॥ माई हे मेरा किनती सुनीय ॥ भव भञ्जणि दुःख सव मो
चनी ॥ १ ॥ कनकि भूयणि कुंडल नागिणि ॥ नर सुन्द नाभिनी त्वहे जग
तारिणी ॥ १ ॥ मनरथ पूरणी जय भद्र कालिनी ॥ गीरि केत दिनी सुख व
रदायनी ॥ २ ॥ शुक छतारणि पारुड तारिणी ॥ माई के भजन पर ध्यान
लगायनी ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दुर्गा अस्तुति ॥
जय भैरव गणेशपति तलेजू भवानी मां ॥ १ ॥ प्रथम वस्त्रायणी दुतिय मरु भ
रि ॥ त्रितिय कोमारी मां चतुर्थ विद्याविमां ॥ १ ॥ पञ्चम वाराही अष्टम ईन्द्रा
यणी ॥ सप्तम महाकालीका अष्टम महालक्ष्मी मां ॥ २ ॥ ध्यान २ अष्टमा

त्रिका . विचमे भैरवनाथ ॥ भक्तपुरग्रामनगर . त्वरे जगदम्बिके ॥ ३ ॥ + ॥ ५ ॥

॥ देवि अस्तुति ॥ प्र ॥

संसारसंतलहेतुकार्ज - जननीमाइ ॥ १ ॥ हुसेतलध्वशील - कंचलाया
मायायेन - गुनिनसद्धिशुच्यतयाव ॥ कामक्रोधलोभमाया - मोहपापलुकनफि
ल - लाजतलकिलसचिनाव ॥ २ ॥ दुवाजपापनकेन - थुगुदुःखदइवन - भा
लेपेमफृतध्वधंधान ॥ वलजिमदसेवन - चयीपदावेसजिजुल - ध्वजिवनहुंदुखामसी
ल ॥ ३ ॥ वनेगनाचोनेगना - जिअधमीम्याजचोना - तयमतेदिनजितावाज ॥ ज
ननीदिधकाचोज - द्विपालीसैवासतया - अवलायामदुमेवआशा ॥ ४ ॥ हाक
स्त्रयाआशा - श्रीभशरवभशरी - पिंगदेवगरेशभवानी ॥ लखलपीजिअज्ञानी

नवदुर्गाहेभवानी केनेमतेज मंषादेश ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दुर्गाअस्तुति ॥

दुर्गेदुर्गे तारोरोमां सन्ननकोप्रतिपालकरोमां ॥ ५ ॥ खड्गखण्डरुहातधरोमां सिद्ध
कैर्दयापाडधरोमां ॥ भुतवेतालकोमाशकरोमां हाथक रथैथक नाचकरोमां
॥ ६ ॥ भवसागरकोपारकरोमां त्रिभुवनकोप्रतिपालकरोमां ॥ जोगीणिगणसव
वासकरोमां ज्यालामुखित्वहेनामधरोमां ॥ ७ ॥ श्रीहिङ्गुएजकिध्यानधरोमां
कामरूपिकोविन्नधरोमां ॥ श्रीमुक्तिक्षत्रकोवासकरोमां गायत्रीक्षत्रकोपापहरो
मां ॥ ८ ॥ ॥ रूपताम ॥

॥ देवि अस्तुति ॥ + ॥ वन्दे जगत जननी पद सन्नन हितकारी ॥ भक्त तोरु शरण
आय विपत्त कलुष हारी ॥ ॥ १ ॥ सुरी पुगण राज करत सकल देव हारी ॥ अर
ज करत शरण रानी शत्रु को संहारी ॥ ॥ २ ॥ गीरी कुमारी शरण उपर सिंह के स
वारी ॥ सकल शस्त्र अस्त्र धारी रक्त विज मारी ॥ ॥ ३ ॥ करत भजन गंधवादि नि
त्य नाचकारी ॥ ईश्वर दाम विप्र संग चरण शरण धारी ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥

[॥ ॥ जोगीणि अस्तुति ॥]

माइवर्ज जोगीणि सकल जगत नारिणी ॥ भूत प्रेत संग चारी
दाम अङ्ग वासिनी ॥ ॥ १ ॥ निर्मल खड्ग कटि कमल खप्परा दि
धारिणी ॥ रक्त नयन घोर हास माली बन्ध के शिनी ॥ ॥ २ ॥ रुद्र वर्णा रुद्र

सदेवंनिलकमलशोभिनी ॥ चंडमुंडरक्तविज आदिदैत्यनाशिनी ॥ २ ॥
ब्रह्माविष्णुरुद्र आदि सकलदेववादिनी ॥ कामक्रोधलोभमोह सर्वना
शकारिणी ॥ ३ ॥ सकलमंत्रशास्त्रमागे कमलकाज्येशोभिनी ॥ दासवा
गभूषणादि भक्तदयावासिनी ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ मनकामनास्तुति ॥

माईमनकामनादेवि शरणदिके वधामां ॥ ५ ॥ त्रिशुलडमरु खड्गपात्र ज्वेस
नविज्याकमां ॥ सिंघगसे वेतालपोसे रसनविज्याकमां ॥ ६ ॥ सिलयामाला ग
लसकोत्तासे हलननिवावमां ॥ भूतगरा जोगिणिगरा लितकावविज्या
कमां ॥ ७ ॥ त्रिशुलोगङ्गा परत्यादिगङ्गा दधुसविज्याकमां ॥ वरीगंगा दम
यतिगंगा उयकावविज्याकमां ॥ ८ ॥ उत्तरगोरख नाथप्रभु दक्षीणादेविघाट

मां ॥ दधुसविज्याकमाई · मनकामनादेवीमां ॥ ४ ॥ श्रीसुरेन्द्रमहाराज · विक्रम
शाहकेवमां ॥ प्रजालोकगरीपखजव · कृपादयकेमालमां ॥ ५ ॥ × ॥ × ॥

॥ ॥ मनकामनासुति ॥ ॥

रण ॥ देह ॥ चन्द्रमुखिरानीमन · कामनादेवि ॥ कामनादेवित्वहे · कामनादेवि
॥ ६ ॥ बुद्धिवरधारणी · शंकटकोतारणी ॥ दुःखकोनाशिनी वंक्षजानी
॥ दुष्टसंहारणी जगतप्रतिपालनी · अभयवदायनी जोगमायादेवि ॥ ७ ॥
सिंहकोवाहिनी · खड्गखण्डधारणी · शक्तिवरलिय · त्रिशूलधारणी ॥ भू
तनी · डांकिनी प्रेतपिशाचनी · डांकिनीसांकिनी · शंभुरानीदेवि ॥ ८ ॥ योगकेम
म्वहे · भोगकेमाम्वहे · भक्तकेमाम्वहे शंभुरानी ॥ श्रीराजराजेंद्र · शाहकेव

रघुपाल जितलियलियहोमोरुजानीदेवि ॥३॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ वागहीअस्तुति ॥ प्र ॥

वागहीभुवनयादिगतिहे माईचरणसंजिवनतीहे ॥४॥ घनघोररुजुस आ
सनमहिमतसे ॥ होंहोंदेभिडसिलचन्द्रेशाभा कृतिसोंफुलानतसे ॥५॥ रुना
मोतिमणिमयजोलंरुधीकरुल ॥ होंहोंदेगलसके रघोसतलनरयासिलवामा
ला ॥६॥ शत्रुहीयासुरनाश वायिसुजामदुथास ॥ होंहोंदेजगतभलोसादेवि
भवामीदिदक्षयाआशा ॥७॥ रघुवंशकुलमणी झालरणजीतधनी ॥ होंहोंदे
विचालनी धिरयावनेपालभुमियाधनी ॥८॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥॥ मनकानास्तुति ॥॥

॥ देविमनकामना · सोडुनेजिकरूणातयाव ॥॥ १ ॥॥ झलमालांगभिरन · तिषावेहे
लामोति · हससकुंतिंघविहिरुन ॥ धुपदीपस्थानमाला · जोडावयाजितनमन · पुजा
यायद्विपालीसं · सदानहेमाइ ॥॥ २ ॥॥ माई · दष्टिवानपलेहुतया · मुमुहुनरूपजुसे
भरवदकोदेविमुन ॥ त्रिशुलडमरूधामे · विज्याकसगराम · असुरासुरदको · त्या
जवहेमाई ॥॥ ३ ॥॥ माई · रणवाहादुरनर · पतिराजाया · बहिन · प्रजायताप्रतिपा
लयाक ॥ शकस्यायासेवक · वयधुनजितनमनपुजायायद्विपालीसं · सदानहेमा
ई ॥॥ ४ ॥॥ + ॥ + ॥॥ श्रीवाराहीअस्तुति ॥॥

जगतजननीवाराही · शरणादिकेवयामां ॥ १ ॥ श्रीगणेशभद्रव · जवरवविज्या
कमां ॥ नेस्नायादथुसमहिवागसे · रसनविज्याकमां ॥ २ ॥ रक्तवरणास्वरु
पद्मिगु · भयंकरखातमां ॥ खड्गवपुर्त्रिशुलज्वसे · श्लेष्मासुरत्याकमां ॥ ३ ॥
रामलक्ष्मणमहा · वीरभिमसेनमां ॥ शारदादिदेविसहित · स्तोत्रदिगुयातमां ॥
॥ ४ ॥ वारीरामेश्वरशिव · पारीवीरेश्वरमां ॥ दथुसविज्याकगंगादेवि · हरर
ह्याकमां ॥ ५ ॥ सौष्ठवसत्तमजनयागु · पुजाफसेविज्याकमां ॥ भक्तपरयाद
क्षीणादिजसं · उत्तरस्वसेविज्याकमां ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ काटीअस्तुति ॥

थजननीया · अन्न · मसिवसुनान ॥ ७ ॥ सौजलफा हाननल · खालखलमदु ॥ मि

सादोहावासेचोऽऽहुनकोचहु ॥१॥ भयंकरधरआति. हसससुरनल ॥ देको
वापिनीयजिव. आतनकोखाल ॥२॥ हाकलसंचोऽऽपाथ. थाजनमदाऽऽ ॥
जिठीरूपजुसेचोऽऽ. आतिसुखुगाऽऽ ॥३॥ तेतिस्कोटियाधीन. येकांतरकाली ॥ प्र
लयकालसंलेऽऽ. त्रिलोकधारिणी ॥४॥ लाहीधेंवक्षेंहुहेपु. नलअसुरया ॥ वि
नतीरुण. जितया. यावजितदया ॥५॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ गुण्यकाली ॥

हेगुण्यकाली. हेभवानी. तुम्हरदानी. शंकरकोरानी ॥ ६॥ आदिनजानि. केवल
मानो. दुरितजनमजुवरवानी ॥ ७॥ रुमतिरानी. येकतुंजानी. दयाकरोठकुरा
नी ॥ ८॥ तुम्हरस्वामी. ध्याननजानी. शरणातेरीभवानी ॥ ९॥ तुंवाकेधारणी. क

रुदुःखरानी पृथ्वीनारां नृपवारी ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ देवि अस्तुति ॥ स्व ॥ ॥

देवि भवानी जननी भवानी हे जननी या हे ने जि अनाथ उधार ॥ १ ॥ गधि ड कु
घरी स जन म जु लख स थधि ड थ व ध्व क पा ल ॥ या ज २ जु गु ति न २ जु ल जि ता का ल
॥ १ ॥ लख या ल रु लि ध्ये क थे न ता तु ता से व ल या स प ति च का व ॥ द्वि गु नी च र रा
ला य गु गु मी रु वा ल ॥ २ ॥ म न न भु ल ल पा फे ज दि सु द्वि दि न फु त कि थु गु ली रु
वा ल ॥ द्वि या द्वि थे आ शा त से त य गो ल का ल ॥ ३ ॥ हा क ह्य या प्र भु नृ प ती र रा जी
त ओ स न फे न द्वि ग्वा हार ॥ ध्व जि व या उ ग ल स २ वि द्य म ते द्या ल ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥

अस्तुति ॥ ॥ ॥ दिगुगुणः स्थावमफ्या जननीमाई ॥ ६५ ॥ रघालर्डेन हिङ्गुलिया
सिलसचन्द्रमातया रुससकुंडलजुलविया ॥ कोटि २ सुज्यया तेजजुलवोसस्म
या भयंकरजुलधलवाया ॥ १ ॥ ॥ हेनामोतिमाणिकया मतुकसंधुसेतया मोल
मालगलसकोराया ॥ मोतियाहालनतिया चोसेचोन्वेतालया लुंयाजाभितनजा
सचिया ॥ २ ॥ ॥ रुटरटहेलाजुया शवदनदानवया विसेजुलपक्षवयलिया ॥ दे
वमुनिसाधकया २ भगतिनया कश्मया हृपादतवश्चाजननीया ॥ ३ ॥ ॥ नाग
जनसिद्धजुया क्रिपायावदोऽश्मया लोभनद्विपालिसजिवया ॥ मायामोहपा
पया २ अथारुसमुद्रया दोऽजुनोद्विपालीपलेया ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चंडेश्वरीस्तुति ॥ ॥

चण्डेश्वरीविवरदान जननीदेवि ॥ १ ॥ वातायया समयसं निशिदिन ह्येतेरसभि
ऽमति तय जिंमफ्या ॥ जननीदिजगतया मतेऽदिशिवजुया दिगुगुणमहिमा
मसिया ॥ १ ॥ तह्णया वडससं कामक्रोधमायावस विषयसमनतलेजुया ॥
यायमफुद्धिभजन तयमफुद्धिकेमन थवथमंमसियावजुया ॥ २ ॥ वयसनतेल
गली शालिलाजिमदुजली कुसंगनकुबुद्धिसजुया ॥ ह्रीरुप्रभुखान सेवायाक
दिनदिन चरणशरणजिताफेना ॥ ३ ॥ सुरजयालुसे विसेवजचोनदेड ह्यया
आयुवनभालपेमफ्या ॥ जन्मयापासंफेज विजिताकरुणान दिविनानमड
जिताआशा ॥ ४ ॥ नेगुगुंयादधुसं मितिगुलमदुमास सुरपतिगुरुयागुदीन ॥
ह्राक ह्राश्रीवारिणदास चण्डेश्वरीदकोआशु पुरयाजविप्रदिननान ॥ ५ ॥ ४ ॥

॥ देविसुति ॥ १५ ॥ हे देवि अनाथ जिजुन दलपोलमसियाव ॥ १५ ॥ जगतजनी
देवि दिवाराणाशा ॥ मेव ~~दिवाराणाशा~~ मदुगतिमति दिदलया आशा ॥ १६ ॥
उधारणायाव आवा करुणा दयाव ॥ दुःखि परिजन तयमतेलेन काव ॥ १७ ॥
लपनपियावनारी वालखसियाव ॥ दोलादिदोऽ दकोमामक्षेमायाव ॥ १८ ॥
५३ कृष्णान्नस्येचोऽ महिमावखान ॥ हिथा जाहिथा जन्वो जमननहिलाव ॥ १९ ॥

॥ असुति ॥ दे ॥

हे जगदम्बे हे भवानी मोपरमाया कैंधान करिहे ॥ २० ॥ पद्मकिर्तपरसिंघविराजे ख
हुत्रिशुनधारो ॥ रक्तवराणाकिजोतिसमानी धन्यश्रीमहाकाली ॥ २१ ॥ निलहिंरु
पिजगमगजोती वडेभयीकरमूर्ती ॥ नरमुण्डमालागलमेपाहिरे धन्यश्री भद्रवी

॥ २ ॥ श्वेतहिंरानी श्वेतभवानी श्वेताई भद्रस्वी वारणी ॥ शुभदनी श्रीनवदु
र्गाक्षमाकरो शिवरानी ॥ ३ ॥ जंगारानी प्रह्लादारी विष्णुविवरदानी ॥ इन्द्रा
यणी प्रगतभयोदे वारही वरदानी ॥ ४ ॥ अदभुतमूरति मुखहिं विशम्भ
नारिपात्रविधारी ॥ सुभनिसुभनी सिद्धिनी व्याहीनी वन्दे कुमारी देवि ॥ ५ ॥
नेमनेपाली अधिपतिमाता त्वहे श्रीगुह्यकाली ॥ जगतकोरसा करहो माता
दासभक्तकोजानी ॥ ६ ॥ कहये कवि सुनो भाइ साधु मन कि अस्तुति गाना ॥ मन
ईक्षा सब पूर्ण करोहे ज्वाला मुखि शिवरानी ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अस्तुति ॥

जयजय काली शरण तुमारी निशुवास पर भ्रज रुमारी ॥ ८ ॥ कोटि जोतिर

विन्तेजस्वरूपी चन्द्रकोटिमुखवदनप्रकाशी ॥ अङ्ग अङ्ग भुवराष्ट्रविमारी शिरप
रत्नमनुकमणिभारी ॥ १ ॥ पद्मपत्रतिननेत्रहिंघारी खड्गअभयवरतिरकरधा
री ॥ सुन्दरालाओर अंगनितधारी प्रेतपिथपरकरतसवारी ॥ २ ॥ सगुणचरि
त्रजिनकेअगमादि पारनपावतशिवशनकादी ॥ जपतरेदिननामप्रकारी जगदी
शरीगीरिराजकुमारी ॥ ३ ॥ विविधनामजिनकेगुणकिर्ती अहोकालीकरुण
मममूर्ती ॥ सतसरुअपराधक्षेमेरी माफ्कोएतुमदासविचारी ॥ ४ ॥
आदिपिठजगदीशरीरानी जगतजननीपरमेधरीजानी ॥ नाथपशुपतिशैव
रस्वामि करतनित्यस्तुतिनामवसानो ॥ ५ ॥ नटदागमतिकानकेलासा आस
पासभैरवगणवोगिणी ॥ दीपमणिमद्यकध्विसारी कोनकविरकरकरत

धरवानी ॥६॥ भरतखंडदेशनेपाल तुम परवतराज कियो नृपधानी ॥ भयो प्र
गत निज भक्त सुधारी रक्षार्थ करण आदि भवानी ॥७॥ + ॥ + ॥

॥ अस्तुति ॥

माई वर्जवा रक्षी मकल लोकपालिनी ॥ दुख दैत्य नाश करत अगम रूप धारि
णी ॥८॥ सन घोर रूप त्वहे भक्त परपालिनी ॥ दक्षिण पीथ निम्न दक्ष उग्र
नेत्र हारिणी ॥९॥ अंग रक्त केश नील गले मुद्रपालिनी ॥ रुस्त शस्त्र खड्ग
चर्म बिन्दु पात्र धारिणी ॥१०॥ उन्नत भैरव साधलिय धृता सुर खंडिनी ॥
वाम रुस्तमी नमस्त्र महिष सिंह आसनी ॥११॥ कहनाथ सुरेन्द्र कि तो हे चर
आशमां ॥ ईह अमोक्ष परमोक्ष भक्ति लोकपालिनी ॥१२॥ + ॥ + ॥

॥ गंगास्तुति ॥ ॥ केनेतेलजनथास्वसेगङ्गामाजु ॥ १ ॥ पापदुःखसेयस्य
धरमजिदेहृतसे ॥ निरमलयावध्वशरीलः गङ्गा ० ॥ २ ॥ द्विभगतितोलभिल
मदुअपमानविल ॥ सोरगतकुर्ति वयाचीलः गङ्गा ० ॥ ३ ॥ उगलसंचोऽद्यालः
मेवनमखाऽस्याक ॥ येकानजिजुलः ध्वशरीलः गङ्गा ० ॥ ४ ॥ लुमाजवसुर्व्यवंश
मलाजतिघायमन ॥ पापनजिकेन थुगुजीताः गङ्गा ० ॥ ५ ॥ आशागोस्वयाकेतय
तलेजुयासेवायाय ॥ मदुतोलेचोने दुःखसीसे गङ्गा ० ॥ ६ ॥ रसनजिगनाशाने म
खाजजिगनाथाय ॥ दितलमदुविय अकिलः गङ्गा ० ॥ ७ ॥ नेपालयाध्वपति
श्रीरराजीतमल ॥ यायमातथितिवध्वधीरः गङ्गा ० ॥ ८ ॥ लाहातिनजलथुसे
थीकलनतालविसे ॥ वेध्वरवेल्हायगङ्गातीरे गङ्गा ० ॥ ९ ॥ x ॥ ॥ x ॥ ॥

॥॥ मालाभिः ॥॥ पोख ॥॥

कालिकाजगदीश्वरी ॥ ॐ ॥ गलसमुद्रमाला इत्यस्यकुण्डल ॥ हस्ताभ्यां कथार्थ
री ॥ ॐ ॥ खड्गसलीनजुसे मिरवाफितियातोलेन ॥ असुरपूतकक्षे ईश्वरी ॥
भुतवेतालगरा जगदिश्वरी दकोअना आनन्दजुलपरमेश्वरी ॥ ॥ १ ॥ मनुकलोच
आति भिङ्गवअभुगुति जननीविक्कटभयंङ्करी ॥ शकृन्वानरपात विहुने शुभ
गति चरणशरणगुज्येश्वरी ॥ ॥ २ ॥

॥॥ मालाभिः ॥॥ ख ॥॥

देविसुन्दरी त्रिपुरभङ्गशी ज्वालाजोतिस्वरूपिनी ॥ ॐ ॥ तोरे प्रह्लादयणी तोरे
माहेश्वरी तोरे विष्णुवीकालीका ॥ कालिकल्याणीक कालीकामाता जग
तकोदुःखतारणी ॥ १ ॥ प्रेतआसन सिद्धआसन महिषआसन कालिकारूप

ॐ मरुपासत्रिशुल · सर्वशस्त्रविधारणी ॥२॥ सुम्भनिमुष्म · रक्तविज · असुर
सवधेयुणी ॥ गावतभक्तसाधुसजनको · दुःखसकलविनाशिनी ॥३॥

+

+

॥॥ मालाभि ॥॥ स्व ॥॥

+

+

आदिशक्तिजोगमाया · जोगक्षीपनिरञ्जनी ॥ ६ ॥ कालिकेजय · चण्डीभगवती
जननीजन्त्रप्रतिपालनी ॥ असुरमारिणी · भक्तपालिनी · सकलरीपदलखण्डिनी
॥॥७॥ कनकमेरिमयमकरकुण्डलमुद्रमालविराजनी ॥ नगरनन्दिनी
देविभगवती · अष्टफणिपातिभूषणी ॥॥२॥ ॥ कंकालिकालीका · जयम
हाकाली · गुह्यकालीकपालिनी ॥ नृपतिश्रीरजेन्द्र · विक्रमशाहा · रक्षाकरवर
दायिनी ॥॥ १ ॥ ॥



॥

॥

रागमालात्रि॥ २३ ॥ भवानीनवदुर्गा • भजनयायथनी • नवमिकरमयासारे
॥ १ ॥ आदिपुरुषसं • विष्णुववंशायणी • दनुजआदिनस्याकरे ॥ महेश्व
रीदेवि० डमरुशवदन • असुरगणदकोपाकरे ॥ १ ॥ देवकरजनजननीकु
मारीया • तेजअग्निनीसमानरे ॥ गरुडगसेवस्त्र० विष्णुवनारायण • जोजव
गदापलेखानरे ॥ २ ॥ दक्षिणादिगंकाली • विष्णुवाराक्षी • दैत्यननुनभुन
कावरे ॥ ईन्द्रायणीजुसे० स्वरगभवनसं • विष्णुवनकिनगुयावरे ॥ ३ ॥ उन्न
रदोंयाचोसं • वासुंडाजुसेधम • विष्णुववेतालययासारे ॥ महालक्ष्मीदेवि
तुष्टुतलेगुन • असुरदकोफुतकावरे ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ मातृश्रि ॥ ॥ ॥ मासं सानया चरिउके ॥ द्विपालो पलेपति जुवजिगतिमती
केवलधिदृश्यामहादरे ॥ ॥ १ ॥ ॥ प्रसायणीदेविगण दैत्ययाभयन दिचरण
शरणयाकरे ॥ अभयविलदिन करुणासुमतिन दैत्ययाविपरीतयाकरे ॥ १ ॥
नारायणमूरुति कायावभगवति रणयाभूमिस विज्याकरे ॥ ध्वजलाहिमिहि
मिनुयकंडीमिडीमि मधुकेटभस्याकरे ॥ २ ॥ ॥ इलादहुरटट वलिसे
विफतखें राजवस्त्रैवासुरस्याकरे ॥ धुप्रलोचन चंडमुंडअना देविनेहें
लधंजवक्षाकरे ॥ ३ ॥ ॥ रक्तविजया शक्तिशक्तिन कोरिदैत्यसिद्धजुलरे
॥ लायावम्येअना स्वाकतिमतिथल अहेतदानवस्याकरे ॥ ३ ॥ ॥ सुम्भ
रक्तविजयादशुविही

विमलपद्मपद्म ललाटावने दामभूषण चमारीनंगलसमोपकारकरे ॥ गोचरेवि

निमुष्मगरा. ल्वाडावनेश्माअना. चराडीनंगलसमोफगाकरे ॥ गो ह्नुदेवि
गरा ह्वे मयअना. श्रीरराजीतनेहूकरे ॥ ५ ॥ ॥ ✕ ॥ ✕ ॥

॥ रागमालभि ॥

जयभूपपालिनीचंण्डीके ॥ ५ ॥ ड्रिंडिम. ड्रिमड्रिम. डमरुवाजिनी. विकरकत
कतहामीके ॥ ममतमतमत. मरिचमदिनी. जगतरक्षनीकालीके ॥ १ ॥ चंच
तचकचक. चलनरूपरुनरुमैराजीके ॥ धधकधकधक. वरयनवासिनी. दुरा
ततारिणीतारीके ॥ २ ॥ शमरधसीधसी. दनुजदारिणी. विपिनीवासिदुर्गीके ॥
प्रणतपालिनी. त्रिदशलालिनी. वंशाविष्णुविमोहिने ॥ ३ ॥ विनतीगोचलजननी
पुतपुत. श्रीजिनामित्रभूपती ॥ कुमतिदम्भ. कुसंगतेजिक. अत्रयतुवापदमन्मती
॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रागमालधि ॥ ॥ जयकालिकानगवालिफाद्वलपोलजगतर्द्धधाररे ॥ ५ ॥
 प्रोचुसुपायलमानशबिलसवसतधुंढेंगुलीसारभैरव ॥ मोलवामतुकसकवा
 नकलनसमोतियाहालनतियावो ॥ १ ॥ गलसनरक्षलगजलपोसपोलरुड
 लमतिभिनरे ॥ खडगखप्परसहिनेडवदवधरलपुपेकाटाहातीनरे ॥ २ ॥
 नुगलकुतिमतिथयाप्रआतिकूतीहुलापेनकातुतिनरे ॥ रक्तविजमसगुरदे
 तयाजुलप्रमायाहिफुतिनरे ॥ ३ ॥ अतिनभयंकरमूरतिवसस्त्रायाथया
 प्रगुलिसोंफाहानरे ॥ भूपतीद्रयामनसतनमनभावभक्तिद्विगुध्यानरे ॥ ४ ॥

॥ रागघाट ॥

दरशनयावनुसरवीश्रीजयदक्षीणकालीदरशनयातवनेनुसरवी ॥ ५ ॥ मणि

मयतिसानतिसे. सोंग्वलमिरान. स्वसे. मुसुहुनरेहलाविज्याकसरवी ॥ १ ॥ भइरवश्री
भइरवी. रथलविज्यातअना. योसिंयोयाशोभाजुमेरसरवी ॥ २ ॥ नवदुर्गांनवगु
पीथ. वैशाखयासकुखुर्नुदरशनयातवनेनुसरवी ॥ ३ ॥ श्रीगिर्वाणजुध्विक्रम
गरीपखजव. अंनादयाक्रिपादसेविज्याकसरवी ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रागघादु ॥

महंमायादेवि. मोहनमाया. ॥ त्रिनेभवन्पाठबुरानीभवानीदेवि ॥ ५ ॥ ॥ ब्रह्मायरा
देवि. महेश्वरी ॥ कुमारीविष्णुवी. वाराहीभवानीदेवि ॥ ६ ॥ ॥ इन्द्रायणीदेवि. काली
भवानी ॥ महालक्ष्मी. श्रीप्रियानी. भवानीदेवि ॥ ७ ॥ ॥ गणेशपति. भइरव ॥ ८ ॥ ॥ सि
ङ्गीनीष्पाङ्गीनी. सेतभइरव ॥ ९ ॥ ॥ श्रीगिर्वाणजुध्विक्रम ॥ १० ॥ ॥ स्वचपतिश्रीगुण
धारीभवानीदेवि ॥ ११ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ घाटु ॥ ॥ दक्षिण काली देवि · दक्षीण काली ॥ यायमालजगत उधार भवानी
दे ॥ ॐ ॥ आकाशया · वरुणघाल ॥ गलसकोखोसे मुन्द्रमाल · भवानी देवि
दक्षि० ॥ १ ॥ खड्गवपुर् पात्रज्जव ॥ विज्याकपुरुष स्वयाव · भवानी दे
वि · दक्षि० ॥ २ ॥ सकान्तरं · गुंयादथुसं ॥ विज्याकवेतालयास्यास · भवा
नी देवि दक्षि० ॥ ३ ॥ ८५क ह्याअ · नाथासियाव ॥ सोयमालक ह्मणतयाव
भवानी देवि दक्षि० ॥ ४ ॥

॥ मालत्रि ॥

माशुभगवती · चराडीके ॥ शरणावयादिके · विरुनेलुभगती · स ह्मणकेटिदिके विनी ॥
ॐ ॥ रक्तवरुणघाल · कलसर्कडन · मिलसलुंयाकि कुंखाने ॥ मतुकलोव अति · रघा

लयातेजजोति कोटिचन्द्रसमानरे ॥ १ ॥ खड्गखण्डरुज्यते भिशुलपादोसे विज्याक
सिंहगयाधरे ॥ असुरगणपनी स्याज्जवसुरमुनीं यातद्विगुलुती च एडीकाजय ॥ २ ॥
भूतवेतालनव दुर्गेसहितयासे विज्याकचाकलजुलाधरे ॥ नूननन नूननन नूननन
नूननन प्यारखनन्दुयाव विज्याकरेजय ॥ ३ ॥ रक्तधरणावोस पुजवशलीलस रु
ललविजुलीसमानरे ॥ लक्ष्मीसम्भतीं च वरंगायकाव विज्याकपाम आनन्दरेजय
॥ ४ ॥

॥ रागसिनाज्या ॥

जयजयवयलो मथनी संकष्टहरणी ॥ ५ ॥ कषान्यादोयाचोस विज्याकसिमाकोस
जोगिसिगणमुनकावह्ना ॥ प्यारखनन्दुलअना भौरवसहितन अनेगवाजनथाजव
॥ ६ ॥ लालमणिकक्षया वदनरुं गुलीया रूससकुंडलमोतीया ॥ फोचयाहाल

नतिसे नरेंद्रगुलिनहिसे गलसमोलमालकोखोसे ॥ २ ॥ शवदहुनुनु डमरुहुनुनु
तायावदेरुलापि थाकहों ॥ हेलायाशवदन थोयावात्रिभवन तायावदैत्यसुरग्या
कहों ॥ ३ ॥ प्रगतजन्मगती नामभीमगवती रणसजयजीतयाकहों ॥ जिपनी
वालखया मामहिजगतया छिपालीभजलपे विप्रहों ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रागवसन्त ॥ प्र ॥

जयजयनवदुर्गे नाचतह्रवविराजे ॥ ५ ॥ हेमाश्वस्त्रायराणी महेश्वरी कौमारी
विष्णुवी वाराही इन्द्रायराणी ॥ महाकाली महालक्ष्मी सिङ्गीनी व्यागिनी ग
णेशपतिभद्रवनाथ ॥ ६ ॥ हेमाई रविचन्द्रभूमिसुत पुष्पगुरुभार्गवशर्नीराहु
दारुणकेतु ॥ पुरुषकिअधरम ईर्नादियदुःखदिन मोहिदुःखदुटिकरोरानी ॥ ७ ॥

॥ हे माई भनपति निरञ्जन नवचरिण्ड चरण मे दिन श्विनती हमारो ॥ यहि संसार मे
कंधुना अवना दिन श्वरणा सरानी ॥ ३॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अस्तुति ॥

॥ कंकाली कामिका देवि शरण दिपाली ॥ १॥ ॥ भयंकर खाल खया निरमणि ईनी
॥ हलमाल जलमधि ईसा धुंछे गुली ॥ १ ॥ ॥ जोगीनी दागिनी गण नित के छी
वाहि ॥ ईत्ये इत्य फुल कल असुरगमानी ॥ २ ॥ ॥ बाल ख अनाथ सिव हूक ख अ
ग्योनी ॥ जनम शदिके आशा जिअवानी ॥ ३॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राम करी ॥ स्व ॥

जय देव देवी जोग निन्दा जोति रूप जाला मुखी ॥ सकल असुर ली हार करी देव

गणसवद्विद्यसुखी ॥ ५ ॥ जेजगदम्या अश्विकेनिज भक्त अभिमनदायनी ॥ कासि
काकरस्पङ्गवप्यर दनुजसोनीतपालनी ॥ १ ॥ शिरसशशीदुव भवराकुण्ड
त सिंहजानिधिसुन्दरी ॥ मुद्रमानसुकंठशोभित दनुजलोनितापालनी ॥ ३ ॥
तप्तसंनृपासिंहजा प्रयो जानरूपरुरुरी ॥ त्वहेदेविकौनविलम्ब धनजनपर
मपदपरमेष्ठी ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रागगुजरी ॥

सुनयदपातकरुराणि गंगामाई ॥ ५ ॥ हरिचरणारे विन्दुसवनीकली ॥ मरु
देवशिरधरणीगंगामाई ॥ १ ॥ दरशनभयसव पातकनाशिनी ॥
गतीतरणीगंगामाई ॥ २ ॥ गंगागीता भगवतीभावे ॥ यरुफलीजुगग

ती. तरणिगंगा माई ॥ ३ ॥ सुरदासे प्रभू उमा ऐदरुशको ॥ पारवारं गति. तरणि
गंगा माई ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ आरती ॥

श्री जय भृंगिनी. तारिणी ^{याक} देवि या पाती ध्याक. तेन मन मुगुति याथा स ॥ तवे जु
भवानी २ त्रिभुवन दारिणी ॥ सिंदिया वोसं दिजाक देवि. कोटि सुर्ज्य या जोति स मा
नी ॥ याहुने गिरण जोतया. मन रथ पूर ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ आरती ॥

भगति भाव. करन जोति. रूप साधना राम दिव्य आरती ॥ ५ ॥ हसत च पर. कोति रुचोर
चरण न करी भाव हे ॥ देव देत्य. दनुज आदि जीव साधना ॥ राम दिव्य आरती ॥ ६ ॥
अमल कमल पर विलास. अनारवास श्री निवास ॥ भूपतेन्द्र. सुर्य वंशी जोग धारण ॥
राम दिव्य आरति ॥ २ ॥

॥ आरती ॥ ॥ माई जननी को · अन्न न पाई ॥ भक्त जन · जन को तन मुख दाइ ॥ १ ॥
सुगन्ध धूप दीप · आरती जलाइ ॥ फल मुक्ता मूल · नैवी व्यचटाइ ॥ १ ॥
सुरना मुनि सब · ध्यान लगाइ ॥ जक्ष कि मर सब · आरती लगाइ ॥ २ ॥ सूर्य
कोटि जोति · आरती जलाइ ॥ जंत्र मंत्र तंत्र सब · तुम पद होइ ॥ ३ ॥ ॥ ॥

॥ आरती ॥

१९९
आरती वागवादिनी की ॥ १ ॥ जगता दीप तुं · जगत कि नयनी · जगत कि ये तेरी
ध्यान ॥ हंसा सिनी देवि २ शरण चरण तेरी ॥ १ ॥ जगताधिपिनी · जगत कि
मोहिनी · जगताद्दिदय दिव्य ज्ञान ॥ जनम शरत् न जात दास तेरी ॥ २ ॥ ॥

॥ आरती ॥

संसारुध्दारायाव जगतजननी ॥ ५ ॥ नित्यदर्शन विवर्द्धयतारणी ॥ मणिम
य परवतसंस्थितनविज्याक ॥ १ ॥ भवदंकोकृतकाव विज्याक ह्यर्च्यश्री ॥ जग
तसं मदुप्रतिगुणायावबानी ॥ २ ॥ ह्यक ह्यअनाथया पूरयावमनोरथ ॥ भुक्ति
मुक्तिसंपति विवर्द्धदान ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ आरती ॥

नित्यनित्यदर्शन विवर्द्धजननी ॥ माई ॥ ५ ॥ खड्गफेटक डमरुवजावे कर्दिसुन्दधारणी ॥
विन्दुपात्र कंकालीवेतामवारहीमां देहोजननी ॥ १ ॥ सिद्धलमतुकलेंया धरणीव
ला ॥ जुगभरी सम्पतीतुवाठपुरानीमां देहोजननी ॥ २ ॥ ताकडिमिफ्रुतितारख धिला
इताथें सहजनामा ॥ महाकाल भद्रवतुमसङ्गिनीमां देहोजननी ॥ ३ ॥ ॥

॥ रागवसन्त ॥ ३ ॥ भगवती सरश्वती नेहुनेविनती ॥ ५ ॥ हेमाश्वि
भुवन अधिपति नाम श्रीपशुपतिमो लल्लुय गज्जा वागमती ॥ गंगा गो
री पारवति कुमारे श्रीगणस्पति कृद्धि सिद्धि विलासिता स्मृति ॥ १ ॥
हेमाश्वि विष्णुपति श्रीपञ्चमिसं अति सुन्दर मूर्ती विष्णुया प्रीयसरश्वति ॥ स
सारनं हि भगति आस्व विद्यासेनेमति गुण ज्ञान विवसरश्वति ॥ २ ॥ हेमाश्व
स्त्रीजनन्यामति याय पुजा हि भगति थाज्या लाज्या सयकेयु गुमति ॥ अवला
जिमिसाजाति छिपा लीया कोसंगति नाना गुण सयक्य गुमति ॥ ३ ॥ हेमाश्व
संसारया स्मृति स्मृति जौभर्तु दास अति चित्तथीर मदुसुयां भति ॥ जौभन अव
सरवसन्त महिनासं धना मदुगना जिपिरती ॥ ४ ॥ हेमाश्व कृष्णया मनोरथक

रजोरीजिविनती कङ्कीकोयासिद्धिगणशपति ॥ वायपुजाहिभगती दोड थासं जिवि
नति क्षमायायमालगणशपति ॥ ५ ॥ हेमाईनेपातयाछत्रपति श्रीराजेन्द्रनर
पति प्रजायतासुखविषभति ॥ कावमनरामेनाम तोलते मते मन थनामदुगना
गतिलाइ ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रागवसन्त ॥ ३ ॥

हेमाधव विषमतेजुगलयाघाल ॥ ७ ॥ मिलसमतुकलेंया वनमालाकोरणाव मसुरासवि
ज्पाफतुताया ॥ केशरीयारंगजाव श्रीरघुनखाक ह्याया माया मदत प्रभुजिके पिरतिन
वायेमाल ॥ ४ ॥ वन २ स्वलजुया केंथनक वमचाया भालेपेजिमननमफ्रया ॥ वसु
शेयासरताया फुपाथेजिनेनाशुपा कायप्रभुजिहनेमतया ॥ पिरती ॥ २ ॥ नकजावजडभन
या सलनेजकोकिलया थविंड वे लसजिषया ॥ नकतुनी लूसेतया कृतुगुलवसन्तया
विनतीनेरुनेअवलाया ॥ ३ ॥ ॥ ॥

रागवसन ॥ चो ॥ श्यामसुन्दर हृष्यासुन्दर वसनतयोवेलस राधावेलेतलवज ॥ ५६ ॥
धुन्दावनस बाजनया जम्भो ॥ कततालाव मृङ्ग टोलक दपकि नयार जन्व तमारा
गारा रफ्फारी राधाव ॥ ५ ॥ गोपे गरापनी जुलमे हा लाव ॥ ततसलतमाल
पूयाव नुप अर चरनर नकूरी सिंधार शीकर भरी पेरी हा वासुरे राधाव ॥ २ ॥
अभिर पूवा चमेली होलाव ॥ थिथी जो जातयाव फिलाव होलाव होलाव कावका
कजू रसन किपाव कफ ह्या अनाथया आशा छिपावी राधा ॥ ३ ॥

॥ रागवसन ॥ तिलाना ॥

गोपे मुजाव वन ओजाव कान्कजू वनया फागु शेतावरे ॥ ५७ ॥ लसीक मार ह्याय अ
पार अतिनवानवालगो पालरे ॥ क किल शाल कोमवा जाल सरस समय वसन
काल ॥ ५ ॥ स्वान होयाव चोड खंजवर संया भावो जुलये आवरे ॥ थिथी जो

जव चूओतयाप अभिरअतरवेलेहालावरे ॥ २ ॥ अतिनखाक खानया
थाकः गलसंलाक भातेताहाकरे ॥ मिरओलाक लाहातखाक नेखास्या अंतरदुख
मलाक ॥ ३ ॥ वांसपयावदयथाजव मूर्तीया ध्यानमो हलपावरे ॥ ओसया ध्यान
लहाजकपान सून मदतो वस्त्रावेनानरे ॥ ४ ॥

॥ वसन्त ॥ चो ॥

नूयोसणी वपुह्वदरशनलाय ॥ मतमचोड भातिन कांरुजुलुमाजव ॥ ५ ॥
पिउपाइवकदमस वसुरोयाप ॥ मेहालीपसुसोरन मोरुजुयकाव ॥ ६ ॥ चतुर
सुन्दर वसमिरवापलेहल ॥ अतिनरसनदड करवादनमाल ॥ ७ ॥ प्रितिपाशीते
लिवमदुवसमान ॥ समयदसनभक्तु विधकृपदान ॥ ८ ॥ रघुकुलनृपक शित
लवचन ॥ दिनशिक्षिचरणशरण मोहन ॥ ९ ॥

रागवसन्त ॥ ५ ॥ जशूदाया कायपासा स्नेतलवसन्त ॥ ६ ॥ हेराम-म्याननस्वा
ननथिथिडंसन कयकु कृष्ण राक्षिकान ॥ स्वयावभिमन-कृष्णयाकेमनमन-माया
नदेनध्वप्राणसोव ॥ ७ ॥ सुन्दरमारुन-सिरिह-द्रावन-अनेगस्थानसिमान ॥ प्याप

लदजव-चोनवशव-श्रीरवण्डयावासनान ॥ ८ ॥ कदमसिनायाकासे-माधव
जूषोस-पुनुरोपूलस्व हान ॥ श्रीगुलीशहान-मधुरयादेशन-गोपनीमुजव-श्री
ल ॥ ९ ॥ ग्यालिनीनकरा-कान्हुज-चपूर-दायावसलमिस्वान ॥ आदरवचन-अ
मृतथिथीड-पीतलखायाकलान ॥ १० ॥ रूगुलीकृतुसे-वसन्तसरस-रग
जितनवखान ॥ मुनिमुहितन-चोनेसुधीरुन-मपूतविष्णुमायानस्वव ॥ ११ ॥

॥ रोग-चोख ॥

हेसरवीवस्त्राजीन गनावनालावधनी नुगलमोछिन ॥ ५ ॥ आसयागुधानवानगु
लितकङ्कायजीन मिरवापलेरुलवान सर्कोवरवान ॥ सिलसमतुधनपलेयदिलग
लेवनमाला ॥ १ ॥ पुद्गवयारुतिरस अनेगनामकाया वसयागुधानवानगुलितखंडू
य ॥ लुनानिवमनड्डनिथेंजनी पिधावतुमन ॥ २ ॥ वस्त्राकान्कमदयक चोनेजि
मफ्यासरवी सरु अविनतीछिफे वस्त्रावोजाविव ॥ अनेगरसरंगयाङ्गव तयध्वपराण
॥ ३ ॥ ल्हालफालीदातया जोगिनीवासया छि-परणयाकोसे विप्रजितावास ॥
जुग २ कलपशुछिन कवजीनादास ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रगमला ॥ चो ॥

हृषाथनिनपालाज अतिनसुदिन ॥ ५ ॥ जमुनायाद्याटर्दी मोलल्लुलवजधाम
॥ गोपालन ० प्रभुनवजमतिन ॥ १ ॥ सयावचनकुले हुलावमिरवानसोसे ॥

11



495

शान्तिस्तु ॥ ५ ॥

यावद्विहिनदास ॥ ४ ॥

॥

॥

॥

॥ रागमालव ॥ चोख ॥

वयस्कृठ नाथ जगतया नाथ नारायण यावद्विहिन संसार उधार ॥ १ ॥ राम-गद्ग
गसेवस्त्रा विज्याक नारायण उपजा वादा पलेखान ॥ लक्ष्मी साहित्योस वयस्कृठ
नाथ नारायण ॥ १ ॥ राम-दको देव गण मुनि सहित न वलय द्विगुली शरण ॥
देवराज ईन्द्र फेन द्विके वरदान ॥ २ ॥ लोक न हा जलपा फोडा द्विचरण सी विहु
ने वयस्कृठ वास ॥ पाप लोभ पुतका व विवर्जिता दिन ॥ ३ ॥ लका कसा अनाथ याम
नोरथा दिन विहुने पूरण याज्ञव ॥ नृपति श्रीराजेन्द्रन यात द्विगु ध्यान ॥ ४ ॥ ६ ॥

॥ राग ॥ प्र ॥

जय शृङ्गा हेरगारे ॥ ५ ॥ मच्छे कुम्भवारु नासि हवेद नित प्रह्लाद उदारी ॥

वामनप्रशुरामराजा - वलिच्छललीतकुलरावणगौर ॥ १ ॥ वलभद्रबुद्धिकृपाकरोमू
र्तो - कलीकिरूपपरमेष्ठसहाइ ॥ चारिपदारस्य हरिपदमारे - गावयह्वामनदशअ
वतारे ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राग असुति ॥ वाहुमास ॥

भजोमननारायणा - रघुवरगोविन्दम् ॥ वल अचलजलस्थल - सर्वमायाव्यापितम् ॥ १ ॥
प्रथमअवतारप्रभु - मक्षरूपधारणम् ॥ चतुरवाहुप्रगतभय - शीखासुरक्षदनम् भजो ॥ १ ॥
द्वितीयअवतारप्रभु - कच्छेरूपधारणम् ॥ सुरमृनिशरणालिय - मधुवैटभक्षदनम् ॥ २ ॥
त्रितियअवतारप्रभु - वाराहरूपधारणम् ॥ तिनअवनआफुव्यापि - होवासुरक्षदनम् ॥ ३ ॥
चतुर्थअवतारप्रभु - नरसिंहरूपधारणम् ॥ प्रह्लादभक्तशरणालिय - हिरण्यकश्यपूरक्षदनम् ॥ ४ ॥
पञ्चमअवतारप्रभु - वासनरूपधारणम् ॥ तिनपायलजिमीनमागे - वलिच्छलीभाषणम् ॥ ५ ॥

षष्ठमअवतारप्रभुः प्रशुरामरूपधारणम् ॥ क्षत्रीरूपसहस्रार्जुणः विरावीरक्षदनम् ॥ ६ ॥
 सप्तमअवतारप्रभुः श्रीरामरूपधारणम् ॥ दशशिरविसभुजः रावणदैत्यक्षदनम् ॥ ७ ॥
 अष्टमअवतारप्रभुः श्रीकृष्णरूपधारणम् ॥ बालरव होइ गोपिनीधुरीः कंससुरक्षदनम् ॥ ८ ॥
 नवमअवतारप्रभुः बडधरूपधारणम् ॥ दशइन्दीयबडधकिट्यगयासुरक्षदनम् ॥ ९ ॥
 दशमअवतारप्रभुः कलंकिरूपधारणम् ॥ अननकोटिसत्यतारीः कानिङ्गासुरक्षदनम् ॥ १० ॥
 एवमअवतारलियः असुरासर्वनाशनम् ॥ पद्मदासभजेहानामः उरगादेहो गोविन्दम् ॥ ११ ॥

॥ रागवेहाग ॥ पु ॥
 हेजदुनाथः प्रभुजदुनाथः मदुथासमरवाज ॥ १ ॥ गोपिनीयानुगलसः छायादिनकलेयाज ॥
 वपुर्वषः दशशनविषप्रभुमेतज ॥ २ ॥ जमुनायातिरसं मयमदुर्गुथासं ॥ पिरतीनं
 जिशरीलः धिवरातुं लमाज ॥ ३ ॥ ॥ हाफस्वयाकेवलनः तनमनदि-वरण ॥ अवला
 वाः मनपूरेयावधि नमतेज ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥

रागविभास ॥ ॥ श्रीनारायण स्वयंतेलकरुणाभयाव ॥ ५ ॥ करमजिदुक्थनचोमेत
लाविधातान रवेनेमदुआखलेवधान ॥ गत्येडुइध्वपराण महुजितासुग्वखान घलदिया
धुगुलीपराण ॥ १ ॥ जलेजिमद्यालसुने महुजिसम्पतिधन चरणशरणादिगुध्यान ॥ छेतयाय
मतेदिन विवजीतातत्यजान जनमजीवेरधनवन ॥ २ ॥ इगारामारन तयमतेध्वपराण य
नकिवदिगुलीशरण ॥ तनमनदिगुध्यान यायफुयकावजीन धनिजीताविववादान ॥ ३ ॥
दइवविमुखजुया अनेगदशानकया धनजनफुतकावजुया ॥ नरयाजन्मजुया मायाजालेतोवपुपा
तलजिताजमपासीधिया ॥ ४ ॥ धनिजीनिदिभजन आशातेसेचोशमन दरशनविहुनेनना
न ॥ धनजनजडभन वेरययापापमन नरजोनीवेरधनवन ॥ ५ ॥ पदमदुखपुतवे मेव
देवसुगोखान फुश्मसुखीरुपिनान ॥ वयकुंठनाथन स्वयत्यलोककरुणान भलोसाजिम
दुदिविनान ॥ ६ ॥ मतेलेप्रभुदिन तयमतेध्वपराण यनकिवदिगुलीशरण ॥ रघु

नाथादिदेतिर्न आशातेसेचोशमन नावचोगाशीममावकेमन ॥ ७ ॥ वेरमातीरुप

नाथदिके जिने आशा तसे चोडामन लाव चोराशी मुमात के मन ॥ ७ ॥ वेन माली दपत के
जमया दुहालसं शीरु जि दुकाई सुनान ॥ रवेज जिन मरु सुनं मेव मडु दि विनान ॥ ८ ॥ राग जि मडु
दिविनान ॥ ८ ॥ शीरपद लाय मन घासे चोडा दि भजन क्षमा दाय अनाय सि दाय ॥ ९ ॥
फरुना तुत्सी दास दिपाली ने पाया कोस विवजिता वय कुंठ वास ॥ ९ ॥ ॥ ॥

॥ राग व्या हां वाली ॥ स्व ॥

नारायण गुंया सिसरसन विज्पाक ॥ १० ॥ हिरि दिव्या गवताउन अतिन सुन्दर बाल ॥
जपन चकर जपसे खन दि ईस पुसे ॥ ११ ॥ तिल समतु फलें पो हलम कुण्डल न या ॥
गजस कोरा सेतल तुलसीया माला प्रभु ॥ १२ ॥ दिपाली ने पाया कोस दया तय मात प्रभु ॥
दाज वया दरशन विले विज्पाक नारायण ॥ १३ ॥ नेपाल या छत्रपति श्री जय भास्वर मल्ल ॥
चवरा राउ राज्य लाय फुयका वनारायण ॥ १४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

राग ॥ चो ॥ तुलसीमहिमा पुरान चहुल ॥ ५ ॥ गुरुवर्षगवील शिवकामनान ॥
 तुलसीपिजन लातमहेभरप्राण ॥ १ ॥ सीतानतुलसीपिल रामहोवनेस ॥ रामन
 तुलसीपिल रावराधयाव ॥ २ ॥ गोपिनीन जमुनास तुलसीपिजन ॥ अगलिफल
 न लातगोपालभाद ॥ ३ ॥ तुलसीआखलंगोल सेगोलोपोजन ॥ वरमाजनवय कुठ
 यनिपनिदान ॥ ४ ॥ तुलसीदिकेसंफोन जगनिधिनी ॥ हूफ स्वयामनो रथपेरवावका
 व ॥ ५ ॥

॥ राग ॥ ॥ ३ ॥
 तुलसीभाषगुमारी कुरीय ॥ ५ ॥ ढोलक मृदङ्ग तालवजावय ॥ विष्णुहमारी यारि
 मनपारियतुलसी ॥ १ ॥ हरीगुरागावय हृषातिलावय ॥ जनमेपुरे शिरपाव
 गुमारी करिय ॥ २ ॥ दासगुमारीयाहपाकरो मरारि ॥ यारिभवसागरपार डतारियतु
 लसी ॥ ३ ॥

राग ॥ ख ॥ तुलसीनामजुसे केवलनारायणरूप ॥ ५ ॥ पावित्रशक्तिजुस
विष्णुयाचेतनांपाक ॥ पदमपाविल पादलाक ॥ १ ॥ अनेगदुरीतपुष्क पापअ
तिनग्पाक ॥ द्विनामकायान गातेलाक ॥ २ ॥ संसारनैनामकाक तुलसीतवगुण
भक्तवत्सल जुसेविष्णुपाक ॥ ३ ॥ सुरनरमुनीजन द्विवरणायाक ॥ जगतसंपाप पु
तकल ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ रागकव्यारणरविष्टक ॥

रुारे हरहरशनवायनुयकेवलन वसपोत्पा चरणसंध्यान ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

राग भैरव ॥ स्व ॥ वानेजि अनावन मनसतनमन भज लेप श्री भगवान ॥ ५ ॥ पुं-बोसंदे
यारस विज्याक अतिरस देगव लया शोभा दयकाव ॥ द्रव्यानपे र्ना गुस पैगलीदि
गस्यसे रसन आनन्द विज्याक ॥ १ ॥ महिगुणि लासै पहल नासै चासै अनेगया
जन थाजव ॥ देगवल डुनु डुसे तुतल बोडजुसे रसन डाकूली पुयाव ॥ २ ॥
संसारया वरना आशा सिंगुचो नाम कासा स्वर्ग भवन स्वाजव ॥ मेड जि मेव आशा
दि द्रव्याया भलसा अनेग दोड क्षमायाव ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राग व्यास चारो ॥ स्व ॥

हेनर काशिचिने काशिचिने काशिरे ॥ काशिचिनु अवकष्ट नाहि कष्ट नुदे हो जन्म राज
॥ ५ ॥ प्रथम पद पद देव विभेभर दण्ड पारंगो दुंडी राज रे ॥ काल भश वदेव हि संगम भि
मसे नद्वारपाल रे ॥ १ ॥ ईन्द्र ईन्द्रासर हुते जल शिव हुते जल कैलास रे ॥ तीतिस करि दे

ब. गुरु तेजल लेखका शिवास ॥ २ ॥ माया माता माया पिता माया जेष्ट गुरु भाइ है ॥
माया व्यापित जाइ जपोदप चधि यगुग सुति वार्द ॥ ३ ॥ गावै श्यामा शिव के का
शि. शिव के गुण सुति चाहिय ॥ जनम कली जुग पाप व्यापित ले हो विष्वे भर नाम ॥
४ ॥

॥ राग विजे ॥ चो ॥

संसार या गति मती नाम श्री बाग मती सुमि जु से सु सु हुन ह्याक ॥ ५ ॥ हरया सु
नु ह्यो क परधतनं को धाक ॥ निरमल जल थोक लो रुस ह्याक ॥ ६ ॥ गंगा याते
जन लीक लोक न स्नान याक ॥ जगतनं गुण ह्याक पुत कपाप ॥ ७ ॥ माच कपा
पया पाक श्री ल पवित्र याक ॥ रुमिया भजन याक पेता पद लाक ॥ ८ ॥ शिव व अ
तिन जाक जल या रूप न निफ ॥ मूड व दो के मरव भगत रक्षा याक ॥ ९ ॥ देव मुनी
नर लोक दयान ह्यपान स्वक ॥ ह्याक स्वा गरी व यता करुणा दय कि व ॥ १० ॥

राम व्याहं चाली ॥ त्व ॥ पुरुष दुवार त्वहे गणेश कुमार ॥ ऐसे न दुवार त्वहे शोहे ॥ रु
हे शिवहे त्रिभुवन त्वहे अधिकार ॥ ५ ॥ दक्षिण दुवाल त्वहे कात भर वदराड पा
णी ॥ ऐसे न दुवार त्वहे शोहे ॥ १ ॥ पश्चिम दुवाल त्वहे भिमसेन कुवेर ॥ ऐसे
न दुवाल त्वहे शोहे ॥ २ ॥ उत्तर दुवाल त्वहे गोरीनाथरा अन्न पूरणा ॥ ऐसे न
दुवाल त्वहे शोहे ॥ ३ ॥ आकाश दुवाल त्वहे व्रंक्षा विष्णु इन्द्र जम ॥ ऐसे न दुवा
ल त्वहे शोहे ॥ ४ ॥ पाताल दुवाल त्वहे नागराजा वालमुक्ति ॥ ऐसे न दुवाल
त्वहे शोहे ॥ ५ ॥ नेपालाया पशुपति काशि विम्बेश्वर शिव ॥ हेम गीरि श्री नील
कण्ठ शोहे ॥ भारहे शिवहे त्रिभुवन त्वहे अधिकार ॥ ६ ॥ ॥ ॥

॥ आरती ॥ नमो ॥
काम दया जित दयंक दार्शय शीया सिरव तन केन स्वयाव ॥ आव जिन याव आरती ॥ ७ ॥
माया मोह अनार पुतादि पाप वर कोरि सुज या जोति ॥ आव जिन ० ॥ १ ॥ जय लक्ष्मी

याधनीनेपागया अधिपति जय परकाशुनहूत ॥ भक्तिभावनवस-वरणकमलरस ॥

आवजिन ० ॥ २ ॥ आरति

भाषेसोमुदारीकिजे आरतिकरे ॥ ज्ञानध्यानमैनजान पावमेपरे ॥ ५ ॥ अंगधारेनारीआ
रीप्राणादीपकरी ॥ पञ्चभूततत्त्वसहित घटरीभरो ॥ १ ॥ कमलउपरमदनपुरुषसंग
मेधरो ॥ विषयभ्यातिस्वराम नामहिसमरो ॥ २ ॥ जोहृपादनन्दलाल कालतेत
रो ॥ हृषादासभजनगाये श्यामहि समरो ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥

आरती
नारायणकेनमोनमो ॥ हरिनमोनमो प्रभुनमोनमो ॥ ५ ॥ कमलनयनकम-लापतिवेशव ॥ परम
वैष्णवके ॥ १ ॥ माहागीरिधारण गोकुलकारण ॥ पुराणपुरुषके ॥ २ ॥ गरुडवाहनहरि
गोपियनुभारव ॥ मुदारीमनोहरिके ॥ ३ ॥ वसुदेवनन्दन कंसहिस्वपुन ॥ मोहनमुरारीके ॥
॥ ४ ॥ कृष्णअर्जनहरे वयकुंठनायक ॥ श्रीदामोदरहरिदामोदरके ॥ ५ ॥